मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शनिवार, 20 जून 2026

संवत 2083, शुद्ध ज्येष्ठ शुक्ल 5 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 276 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ पश्चिम एशिया में समकालीन भू-राजनीतिक बदलाव

काजल अग्रवाल ने अपनी दमदार पोस्ट से छेड़ी अहम बहस ◂◂ 6

ट्रक ने स्कूटी सवार भाई-बहनों को रौंदा, तीनों की मौत

✔ शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे तीनों

संवाददाता

लोहरदगा: जिले के मिशन चौक के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी को जोरदार को टक्कर मार दी। जिससे स्कूटी सवार तीनों लोगों की मौत हो गई। इस घटना में मरने वाले तीनों आपस में भाई बहन हैं। तीनों एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे।

बताया जा रहा है कि शहरी क्षेत्र के बरवाटोली के रहने वाले मुकेश साहू के पड़ोस में शादी थी। शादी समारोह शहर के कृषि बाजार स्थित एक धर्मशाला में चल रहा था। उसी में शामिल होने के लिए मुकेश साहू का बड़ा बेटा रोहित साहू, विवाहित बेटी सपना कुमारी और सृष्टि कुमारी स्कूटी से जा रहे थे।

इसी दौरान मिशन चौक के पास गुमला से लोहरदगा की ओर आ रही एक सामान लदे ट्रक ने स्कूटी को अपनी चपेट में ले लिया। ट्रक की रफ्तार इतनी तेज थी कि काफी दूर तक स्कूटी और उसपर सवार तीनों भाई-बहनों को ट्रक घसीटता चला गया। जिससे मौके पर ही सपना और सृष्टि की मौत हो गई।

रोहित भी बुरी तरह घायल हो गया। वहां मौजूद लोगों ने तत्काल तीनों को सदर अस्पताल पहुंचाया। जहां पर चिकित्सकों ने 24 साल की सपना कुमारी और 14 साल की सृष्टि कुमारी को मृत घोषित कर दिया। मृतक सपना गर्भवती थी।

वहीं, 28 साल के रोहित साहू को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया था। लेकिन रास्ते में ही रोहित ने दम तोड़ दिया। मृतक रोहित के पिता मुकेश खुद मजदूरी करते हैं। जबकि रोहित एक प्रतिष्ठान में काम कर रहा था। इस दुर्घटना के बाद घर में कोहराम मचा हुआ है। इधर घटना को लेकर सदर थाना प्रभारी पुलिस निरीक्षक रत्नेश मोहन ठाकुर का कहना है कि सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हुई है। ट्रक को जब्त कर लिया गया है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई बाराती कार, दूल्हे के पिता सहित दो की मौत

गुमला: जिले के पालकोट थाना क्षेत्र में एक कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई, जिसमें दूल्हे के पिता की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि रिम्स ले जाते समय कार में एक अन्य सवार व्यक्ति ने रास्ते में दम तोड़ दिया। यह घटना पालकोट थाना क्षेत्र के काली मंदिर के समीप शनिवार सुबह करीब 6-7 बजे के बीच की है। घटना को लेकर समाजसेवी शशिकांत भगत ने बताया कि गुरुवार रात को बसिया लौंगा से कुम्हारी के लिए बारात गए हुए थे। शनिवार को लौटने के दौरान पालकोट के समीप अचानक झपकी लगने की वजह से कार अनियंत्रित होकर एक पेड़ से जा टकराई, जिस वजह से घटनास्थल पर ही दूल्हे के पिता कलेश्वर साहू की मौत हो गई। जबकि दिल्ली निवासी दीनबंधु साहू, राम दरस पांडे, मनोज ठाकुर व बालमुकुंद साहू जख्मी हो गए। कार में दूल्हे के पिता कलेश्वर साहू सहित पांच लोग सवार थे। घटना के बाद अपना तफरी मच गई। सभी को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पालकोट ले जाया गया। जहां पर कलेश्वर साहू को मृत घोषित कर दिया। जबकि दीनबंधु साहू को रिम्स रेफर किया गया था, जिसने भरनो पहुंचते ही दम तोड़ दिया। वहीं, अन्य घायलों का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। समाजसेवी ने बताया कि मृतक कलेश्वर साहू घाघरा प्रखंड के चुंदरी पंचायत में पंचायत सेवक के रूप में कार्यरत थे। उन्हें पिछले वर्ष राष्ट्रपति द्वारा उत्कृष्ट कार्य के लिए लिए सम्मान भी मिला था। इधर, एसआई मोहम्मद गफ्फार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि एक कार अनियंत्रित होने की वजह से दो लोगों की मौत हुई है। पुलिस ने शवों को कब्जे में ले लिया है और उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया चल रही है। दुर्घटनाग्रस्त कार को भी जब्त कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सीएम हेमंत सोरेन ने शिरडी साईं बाबा के किए दर्शन, लिया आशीर्वाद

संवाददाता

रांचीः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन महाराष्ट्र प्रवास पर हैं। इस दौरान उन्होंने शिरडी में साईं बाबा के दर्शन किए। दर्शन करने के बाद उन्होंने मीडिया से बात की। मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि धार्मिक और आध्यात्मिक जगहों पर जाने से मन को शांति मिलती है। इसके साथ ही मुश्किलों से लड़ने की हिम्मत मिलती है और जिंदगी में कुछ अच्छा करने की प्रेरणा मिलती है। साईं बाबा पदाधिकारी ने सीएम हेमंत सोरेन का किया स्वागतः दर्शन के बाद साईं बाबा संस्थान के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर गोरक्ष गाडिलकर ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को शॉल और साईं बाबा की मूर्ति देकर सम्मानित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि देश-विदेश से लाखों भक्त हर दिन शिरडी साईं बाबा के दर्शन के लिए आते हैं। साईं बाबा की बातों और विचारों में इतनी ताकत है कि आज भी यह आम आदमी को अपनी ओर खींचती है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि वे पहले भी शिरडी में साईं बाबा के दर्शन किए हैं। हालांकि शिरडी आने वाले लोगों की संख्या कम हो गई है। लेकिन झारखंड राज्य में साईं बाबा के कई मंदिर हैं। सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि वे प्रदेश में साईं बाबा मंदिर में दर्शन करने जाते रहते हैं। उन्होंने कहा कि साईं बाबा के आशीर्वाद से ही हम सभी लोगों की सेवा के लिए काम कर रहे हैं।

अच्छे कामों के लिए साईं बाबा से लिया आशीवार्दः इस दौरान मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को उनके जन्मदिन पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि वह साईं बाबा के चरणों में अच्छे विचार और भविष्य में अच्छे काम करने का आशीर्वाद लेने आए हैं। सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि इंसान से गलतिया होना आम बात है। उन्होंने साईं बाबा से आशीर्वाद मांगा, ताकि वह लोगों के लिए ज्यादा से ज्यादा अच्छे काम कर सकें।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने साईं बाबा दर्शन को लेकर सोशल मीडिया में पोस्ट किया है। पोस्ट पर उन्होंने लिखा 'आज परिवार सहित शिरडी की पावन धरती पर साईं बाबा के चरणों में नमन कर राज्यवासियों की सुख, शांति, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं खुशहाल जीवन की प्रार्थना की। साईं बाबा की कृपा सभी पर बनी रहे।

बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों की अब खैर नहीं

पकड़े जाने पर लगेगा 500 रूपया जुर्माना

✔ रेल मंत्रालय ने 13 साल बाद नियम में किया बदलाव

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची : बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों की अब खैर नहीं । रेल मंत्रालय ने 13 वर्षों बाद अपने नियमों में बदलाव कर बिना टिकट यात्रियों पर जुर्माने की राशि में भारी बदलाव किया है । अब तक न्यूनतम जुर्माना 250 रुपए लगता था, जिसे बढ़ाकर 500 रुपए कर दिया है। इतना ही नहीं, दूसरे यात्री के टिकट पर यात्रा करना भी अब भारी पड़ेगा । रेल मंत्रालय ने जिन नियमों में बदलाव किया है, उसे 18 जून को देश के सभी रेलवे जोन्स को जारी कर दिया है। ये नियम 1 जुलाई 2026 से प्रभारी हो

जायेंगे। बता दें कि बिना टिकट यात्रा करने वालों से रेलवे फिलहाल 250 रुपए जुर्माना और जहां से जहां तक यात्रा कर रहा है, उसका पूरा किराया वसूलता था। वर्तमान में जो न्यूनतम 250 रुपये का जुर्माना प्रभावी है, वह 2013 से प्रभावी है । 2013 में नया नियम बनने तक बिना टिकट यात्रा पर 50 रुपए जुर्माना और पूरी यात्रा का किराया लगता था, लेकिन अब ऐसे यात्रियों के पकड़े जाने पर उन पर 500 रुपए जुर्माना और यात्रा का किराया वसूला जाएगा।

रेलवे मंत्रालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार, दूसरे व्यक्ति के नाम पर बुक टिकट लेकर यात्रा करना अब और भारी पड़ेगाट ऐसे यात्रियों के पकड़े जाने पर टिकट जब्त कर लिया जाएगा । यात्री को टिकट का पूरा किराया देना होगा और न्यूनतम 500 रुपए अतिरिक्त चार्ज देना होगा। भुगतान नहीं कर पाने की स्थिति में रेलवे मामला कोर्ट तक ले जा सकता है।

नीट-यूजी री-एग्जाम से पहले एनटीए की देशभर में मॉक ड्रिल, 2.50 लाख से ज्यादा सुरक्षाकर्मी तैनात

एजेंसी

नई दिल्ली : नीट-यूजी 2026 की री-एग्जाम को पूरी तरह सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने शनिवार को देशव्यापी मॉक ड्रिल शुरू की। यह विशेष अभ्यास रविवार, 21 जून को होने वाली री-एग्जाम से पहले तैयारियों को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है।

सुबह 9 बजे शुरू हुई यह मॉक ड्रिल देर शाम तक जारी रहेगी। अधिकारियों के अनुसार, इस अभ्यास में देशभर के परीक्षा केंद्रों पर 2.5 लाख से अधिक सुरक्षाकर्मी हिस्सा ले रहे हैं। सभी निर्धारित परीक्षा केंद्र पहले ही एनटीए के नियंत्रण में सौंप दिए

गए हैं। परीक्षा की निष्पक्षता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस बार हर केंद्र पर तीन-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। इसका मकसद किसी भी तरह की गड़बड़ी, नकल या पेपर लीक जैसी घटनाओं की संभावना को पूरी तरह खत्म करना है। सुरक्षा व्यवस्था के तहत अर्धसैनिक बलों के जवान प्रश्नपत्रों और उत्तर पुस्तिकाओं के परिवहन, भंडारण और सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालेंगे। इसके अलावा देशभर के 5,000 से अधिक परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों के जरिए लगातार निगरानी रखी जाएगी। बड़ी संख्या में सुरक्षा कर्मियों की भी तैनाती की गई है।

इसी बीच दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को नीट-यूजी 2026 री-एग्जाम से पहले देशभर में टेलीग्राम सेवाओं पर लगाए गए अस्थायी प्रतिबंध को बरकरार रखा। अदालत ने माना कि केंद्र सरकार ने आपातकालीन शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए कानूनी प्रक्रिया का पालन किया है और हालात को देखते हुए यह कदम उचित है। न्यायमूर्ति तेजस करिया ने टेलीग्राम एफजेडएलएलसी की याचिका खारिज करते हुए कहा कि 22 जून तक टेलीग्राम सेवाओं को अस्थायी रूप से बंद करना और 30 जून तक उसके मैसेज एडिट फीचर को निष्क्रिय रखना परिस्थितियों के अनुरूप है। केंद्र सरकार ने अदालत को बताया कि टेलीग्राम का इस्तेमाल बार-बार परीक्षा से जुड़े फजीर्वाड़ों में किया जा रहा था। एनटीए ने ऐसे कई चैनलों की पहचान की थी, जहां कथित तौर पर नीट के फर्जी प्रश्नपत्र और धोखाधड़ी से जुड़े संदेश प्रसारित किए जा रहे थे। सरकार का कहना था कि केवल कुछ चैनलों को हटाना पर्याप्त नहीं होता, क्योंकि ऐसे समूह और बॉट्स दोबारा एक्टिव हो सकते थे।

किसानों के लिए बड़ी खबर, आरबीआई ने किसान क्रेडिट कार्ड योजना के नियमों में किया बड़ा बदलाव

एजेंसी

मुंबई : भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने किसानों को बड़ी राहत देते हुए किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना के नियमों में अहम बदलाव किए हैं। लोन को मंजूर करने और चुकाने की प्रक्रिया में एकरूपता लाने के उद्देश्य से फसल सीजन की परिभाषा को एक समान कर दिया गया है। आरबीआई (वाणिज्यिक बैंक-केसीसी योजना) के ये नए निर्देश अगले साल जनवरी से देश भर में लागू हो जाएंगे। केंद्रीय बैंक के अनुसार, इन बदलावों का मुख्य मकसद केसीसी योजना के तहत किसानों को बैंकिंग प्रणाली के जरिए समय पर और पर्याप्त वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए एक मजबूत रूपरेखा तैयार करना है। फसल मौसम की अवधि हुई तयः आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि इस संशोधन का मुख्य लक्ष्य कृषि और उससे जुड़े कार्यों में लगे किसानों की कार्यशील पूंजी और निवेश से जुड़ी वित्तीय जरूरतों को बिना किसी अड़चन के पूरा करना है।

नए निदेर्शों के तहत, फसल मौसम की परिभाषा को आय पहचान और संपत्ति वर्गीकरण (आईआरसी) नियमों के अनुरूप बना दिया गया है। अब किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत अल्पावधि यानी कम समय में तैयार होने वाली फसलों के लिए फसल मौसम की अवधि 12 महीने तय की गई है। वहीं, दीर्घावधि वाली फसलों के लिए यह अवधि 18 महीने निर्धारित की गई है। बता दें कि फसल मौसम से आशय फसल की बुवाई से लेकर उसकी कटाई और बाजार में बिक्री तक लगने वाले समय से है। ाबिना जमानत वाले लोन की सीमा में नहीं हुआ इजाफाः केंद्रीय बैंक ने इस साल फरवरी में ही इन संशोधित नियमों का ड्राफ्ट जारी कर आम जनता और संबंधित पक्षों से सुझाव मांगे थे। इस दौरान बिना जमानत वाले लोन की सीमा बढ़ाने के कई सुझाव भी मिले थे, जिन्हें आरबीआई ने फिलहाल अस्वीकार कर दिया है। बैंक का कहना है कि यह सीमा दिसंबर 2024 में पहले ही बढ़ाई जा चुकी है, इसलिए अभी इसमें और बढ़ोतरी करने का कोई विचार नहीं है। हालांकि, किसानों को यह बड़ी छूट दी गई है कि यदि वे दो लाख रुपये तक के कृषि लोन के लिए अपनी इच्छा से सोना या चांदी गिरवी रखते हैं, तो इसे कृषि क्षेत्र में बिना गारंटी वाले ऋण के दिशा-निदेर्शों का उल्लंघन बिल्कुल नहीं माना जाएगा।

क्या है किसान क्रेडिट कार्ड योजना और इसके फायदेः भारत सरकार ने किसानों को खेती-किसानी के लिए आसानी से और समय पर धन उपलब्ध कराने के मकसद से किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना की शुरूआत की थी। इस महत्वाकांक्षी योजना के जरिए किसानों को खेती, पशुपालन और मछली पालन जैसे कृषि से जुड़े कार्यों के लिए बेहद किफायती ब्याज दरों पर लोन मुहैया कराया जाता है। इस योजना की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें एक तय लिमिट तक के लोन के लिए किसानों को अपनी कोई भी संपत्ति या जमीन बैंक के पास गिरवी रखने की जरूरत नहीं पड़ती है, जिससे उन्हें बिना किसी परेशानी के तुरंत आर्थिक मदद मिल जाती है।

ममता को दोहरा झटका, करीबी रहे पूर्व मंत्री मलिक का इस्तीफा, गौतम देब ने छोड़ा सिलीगुड़ी नगर निगम का मेयर पद

एजेंसी/ कोलाकाता: पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में बगावत और लीडरशिप का संकट और गहरा गया है। शुक्रवार को पार्टी के दो बड़े नेताओं ने अपने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी के लंबे समय तक सहयोगी रहे पूर्व मंत्री ज्योति प्रिय मलिक ने पार्टी के सभी संगठनात्मक पदों से इस्तीफा दे दिया है, जिसकी वजह उन्होंने अपनी खराब सेहत बताई है। वहीं उत्तर बंगाल के बड़े नेता गौतम देब ने सिलीगुड़ी नगर निगम के मेयर पद से इस्तीफा दे दिया। ये दोनों इस्तीफे ऐसे वक्त आए हैं, जब 2026 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी से हार के बाद टीएमसी के अंदर बड़े पैमाने पर बगावत चल रही है। खास बात ये है कि कुछ ही दिन पहले ममता बनर्जी ने पार्टी में बड़ा फेरबदल किया था और मलिक को नई बनाई गई वर्किंग कमेटी में जगह दी थी। इसके बावजूद उन्होंने इस्तीफा दे दिया।

'मैं बॉस हूं' वाले बयान पर ट्रंप की सफाई, बोले-

मजाक कर रहा था, दुनिया ने गंभीरता से ले लिया

एजेंसी

वॉशिंगटन : जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान दुनिया के बड़े नेताओं के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक टिप्पणी अचानक वैश्विक चर्चा का विषय बन गई। सम्मेलन में प्रवेश करते समय ट्रंप ने मुस्कुराते हुए कहा था, 'मैं बॉस हूं।' यह बयान तेजी से सोशल मीडिया और अंतरराष्ट्रीय मीडिया में वायरल हो गया। अब ट्रंप ने इस पर सफाई देते हुए कहा है कि उनका मकसद किसी पर रौब जमाना नहीं था, बल्कि वह सिर्फ मजाक कर रहे थे। ट्रंप का कहना है कि उनकी इस टिप्पणी को संदर्भ से अलग कर-के देखा गया और इसे जरूरत से ज्यादा गंभीरता से लिया गया।

ट्रंप ने 'मैं बॉस हूं' बयान पर क्या सफाई दी?

एक इंटरव्यू के दौरान ट्रंप से जी7 सम्मेलन में दिए गए उनके बयान को लेकर सवाल पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा कि वह केवल मजाक कर रहे थे और किसी भी नेता पर अपनी श्रेष्ठता दिखाने की कोशिश नहीं कर रहे थे। ट्रंप ने बताया कि जब वह बैठक कक्ष में पहुंचे तो वहां पहले से कई देशों के प्रमुख नेता बैठे हुए थे। उसी दौरान उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, 'मैं बॉस हूं।' ट्रंप ने कहा कि यह एक मजाकिया टिप्पणी थी, लेकिन बाद में यह पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बन गई। उन्होंने कहा कि उन्हें हैरानी है कि एक सामान्य मजाक को इतना बड़ा मुद्दा बना दिया गया।

जी7 सम्मेलन में उस समय क्या हुआ था?

ट्रंप ने यह टिप्पणी जी7 शिखर सम्मेलन के अंतिम दिन सुबह की बैठक के दौरान की थी। जैसे ही वह बैठक कक्ष में पहुंचे, वहां मौजूद नेताओं के बीच हंसी का माहौल बन गया। ट्रंप की बात सुनकर कई नेता मुस्कुराने लगे। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भी इसे हल्के अंदाज में लिया और ट्रंप से पूछा, 'आप कैसे हैं?' इसके जवाब में ट्रंप ने कहा, 'मैं अच्छा हूं, धन्यवाद।' इस पूरे घटनाक्रम को सम्मेलन के अनौपचारिक और हल्के पल के रूप में देखा गया।

ट्रंप ने इसे लेकर और क्या कहा?

ट्रंप ने कहा कि कमरे में मौजूद सभी नेता दुनिया की बड़ी हस्तियां और अपने-अपने देशों के प्रमुख थे। ऐसे माहौल में उन्होंने सिर्फ माहौल हल्का करने के लिए यह टिप्पणी की थी। उनके अनुसार, किसी भी व्यक्ति को यह नहीं समझना चाहिए कि वह वास्तव में खुद को बाकी नेताओं का बॉस बता रहे थे। ट्रंप ने कहा कि यह पूरी तरह हास्य का हिस्सा था। हालांकि, बयान वायरल होने के बाद इस पर दुनिया भर में तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आईं।

न्यूज IN ब्रीफ

मोहनाटोली में किशोरी ने की फांसी लगाकर आत्महत्या

खूंटी: शहर के मोहनाटोली मोहल्ले में शुक्रवार को एक 17 वर्षीय किशोरी द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान अनिमा कुमारी के रूप में हुई है, जो बिरसा कॉलेज के लेखापाल सुरेंद्र महतो की पुत्री थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुरेंद्र महतो का पैतृक निवास हीतूटोली में है, लेकिन वे लंबे समय से मोहनाटोली स्थित अपने आवास में परिवार के साथ रह रहे थे। घटना के समय सुरेंद्र महतो कॉलेज गए हुए थे, जबकि उनकी पत्नी किसी कार्य से गांव गई थीं। घर में अनिमा अपनी बुजुर्ग दादी के साथ थी।

बताया जाता है कि दोपहर बाद जब उसकी मां घर लौटीं तो उन्होंने अनिमा को कमरे में नारियल की रस्सी के सहारे फंदे से लटका हुआ पाया। परिजनों ने तत्काल उसे नीचे उतारकर सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद सदर अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम के उपरांत परिजन शव को अंतिम संस्कार के लिए हीतूटोली ले गए।

परिजनों ने बताया कि अनिमा कुछ समय से मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रही थी। इसी कारण उसकी पढ़ाई भी बंद करवा दी गई थी और वह अधिकांश समय घर पर ही रहती थी। घटना के बाद परिवार तथा आसपास के क्षेत्र में शोक का माहौल है।

राहुल गांधी के जन्मदिवस पर युवा कांग्रेस ने किया पौधरोपण

खूंटी/रांचीः भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के जन्मदिवस के अवसर पर खूँटी जिला युवा कांग्रेस द्वारा पर्यावरण संरक्षण को समर्पित विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला अध्यक्ष आमिर हुसैन के निर्देशन में बिरसा कॉलेज परिसर में फलदार पौधों का रोपण कर हरित भारत एवं स्वच्छ पर्यावरण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला महासचिव नवाज अंसारी ने की। इस अवसर पर आमिर हुसैन ने कहा कि राहुल गांधी का सार्वजनिक जीवन सामाजिक न्याय, युवाओं के सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण तथा आमजन के हितों के लिए समर्पित रहा है। उनके जन्मदिवस को सेवा और जनकल्याण से जोड़ते हुए फलदार पौधों का रोपण किया गया, जिससे पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के साथ भविष्य की पीढ़ियों को भी लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। पौधरोपण जैसे प्रयास समाज को स्वच्छ, हरित और स्वस्थ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में जिला सचिव मो। साजिद आलम, जिला उपाध्यक्ष संजीत नायक, मीडिया प्रभारी अनमोल धन, जिला सचिव विष्णु, महासचिव बाहा मुंडा, तोरपा प्रखंड अध्यक्ष सत्यदेव कंसारी, आदिल (गोकुल) सहित युवा कांग्रेस के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस दौरान वक्ताओं ने राहुल गांधी के विचारों, उनके संघर्ष तथा युवाओं के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर अपने विचार व्यक्त किए। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने कहा कि राहुल गांधी देश के युवाओं, किसानों, मजदूरों और वंचित वर्गों की आवाज को मजबूती से उठा रहे हैं तथा युवा कांग्रेस उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। कार्यक्रम का समापन संगठन की एकजुटता, आपसी भाईचारे और सामाजिक न्याय के संकल्प के साथ हुआ। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा जनता की सेवा में निरंतर सक्रिय रहने का संकल्प लिया।

विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य में स्वास्थ्य विभाग ने निकाली जागरूकता रैली

चतरा : अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आज शनिवार को स्वास्थ्य विभाग की ओर से जागरूकता रैली निकाली गई। रैली का शुभारंभ सिविल सर्जन कार्यालय परिसर से किया गया, जिसे सिविल सर्जन डॉ सत्येंद्र कुमार सिंन्हा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में स्वास्थ्य कर्मियों, सहिया, एएनएम तथा स्वास्थ्य विभाग का डॉक्टर एमपी यादव डॉ आशीष कुमार ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली सिविल सर्जन कार्यालय से शुरू होकर शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए उपायुक्त कार्यालय परिसर तक पहुंची। इस दौरान प्रतिभागियों ने योग अपनाने और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने संबंधी नारे लगाए। रैली का उद्देश्य आम लोगों को योग के प्रति जागरूक करना तथा नियमित योगाभ्यास के लाभों की जानकारी देना था। सिविल सर्जन ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने लोगों से अपने दैनिक जीवन में योग को शामिल करने की अपील की। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के कई पदाधिकारी, कर्मी एवं बड़ी संख्या में स्वास्थ्य से जुड़े लोग उपस्थित रहे। रैली के माध्यम से लोगों को स्वस्थ रहने और रोगों से बचाव के लिए योग अपनाने का संदेश दिया गया।

फाइलेरिया के मरीजों के बीच बांटी गई एमएमडीपी किट

चतराः फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत फाइलेरिया रोगियों को एमएमडीपी किट का वितरण किया जा रहा है इसके साथ ही मरीजों को फाइलेरिया ग्रसित अंगों की सफाई रखने के प्रति भी जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में प्रखंड के जोरी पंचायत की मुखिया बबिता देवी के द्वारा पीएचसी जोरी में फैलेरिया से ग्रसित दर्जनों मरीजों के बीच एमएमडीपी किट वितरण किया गया। हंटरगंज सीएचसी एमटीएस राजेश कुमार ने बताया कि दर्जनों ऐसे फाइलेरिया रोगी चिन्हित किए गए हैं। जिनके हाथ-पैर में सूजन आ गई है या फिर उनके फाइलेरिया ग्रसित अंगों से पानी का रिसाव होता है। इस स्थिति में प्रभावित अंगों की सफाई रखना बेहद जरूरी होती है। ऐसे मरीजों को किट दी जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर खुले रहेंगे सरकारी स्कूल, शिक्षकों-कर्मचारियों की उपस्थिति अनिवार्य

संवाददाता

रांची : 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2026 के अवसर पर झारखंड के सभी सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालय 21 जून (रविवार) को सुबह 7 बजे से 9 बजे तक खुले रहेंगे।

इस दौरान विद्यालयों में योग दिवस से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद (जेईपीसी) के राज्य परियोजना निदेशक शशि रंजन ने इस संबंध में सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों और जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों को निर्देश जारी किया है।

जारी पत्र के अनुसार, विद्यालय स्तर पर योग दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा गया है। साथ ही, कार्यक्रम में अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि

योग दिवस के अवसर पर विद्यालयों में मध्याह्न भोजन का संचालन नहीं किया जाएगा।

पत्र में कहा गया है कि 20 जून (तृतीय शनिवार) और 21 जून (रविवार) को आयोजित होने वाले योग कार्यक्रमों का समुचित संचालन किया जाए। इसके अलावा विद्यालयों में आयोजित गतिविधियों से संबंधित आंकड़े, प्रतिभागियों की संख्या, फोटोग्राफ और अन्य विवरणों को जिला स्तर पर संकलित कर राज्य कार्यालय को उपलब्ध कराना होगा। इसके लिए एक गूगल शीट भी साझा की गई है, जिसमें सभी जिलों को जानकारी भरनी होगी, ताकि राज्य स्तर पर समेकित रिपोर्ट तैयार कर शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार को भेजी जा सके।

राज्य परियोजना निदेशक शशि रंजन ने अपने निर्देश में कहा है कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस केवल एक आयोजन नहीं बल्कि स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण अवसर है। ऐसे में सभी विद्यालय इस कार्यक्रम को गंभीरता और उत्साह के साथ आयोजित करें। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विद्यालयों में आयोजित सभी गतिविधियों की जानकारी, प्रतिभागियों के आंकड़े एवं फोटोग्राफ समय पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए, ताकि राज्य स्तर पर समेकित प्रतिवेदन तैयार कर शिक्षा मंत्रालय को भेजा जा सके।

नक्सली संगठन एमसीसी के नाम पर अपहरण करने वाले दो गिरफ्तार, तीन निरुद्ध

संवाददाता

चतरा : जिला पुलिस ने अपराधियों द्वारा 18 जून को प्रतिबंधित नक्सली संगठन एमसीसी के नाम पर छह लोगों की अपहरण की योजना को बिफल कर बड़ी सफलता प्राप्त की है। पुलिस को यह सफलता जिले के सिमरिया थाना क्षेत्र के टूटीलावा से हेसातू जानेवाली रास्ते के हडगड़ी जंगल से मिली है। जिला मुख्यालय स्थित पुलिस कार्यालय में आज आयोजित प्रेस वार्ता में सिमरिया के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नागरगोजे शुभम भाऊ साहेब ने बताया कि चतरा एसपी अनिमेष नैथानी को शुक्रवार की रात्री 10:30 बजे गुप्त सूचना मिली थी कि टुटीलावा से हेसातु जाने वाले रास्ते हडगड़ी जंगल में अपराधियों द्वारा हथियार के बल पर नक्सली संगठन एमसीसी के नाम पर टंडवा थाना क्षेत्र के तेलियाडीह गांव के छह लोगों का अपहरण कर लिया गया है। अपहृत लोगों में विनोद साव, पिता-रघु साव,महेन्द्र साव, पिता-भिखारी साव,संतोष साव, पिता-चोहन साव, प्रदीप साव पिता-कोली साव, बिन्दु देवी पति-स्व० राजु भुईयां, सभी ग्राम-तेलियाडीह थाना टंडवा एवं सोनी देवी पति-स्व० बुटन भुईयां, ग्राम-गोबदा, थाना-केरेडारी, जिला हजारीबाग के रहनेवाले हैं। श्री भाऊ साहेब ने बताया कि परिजनों द्वारा जानकारी दी गई थी कि अपहृतो को छोड़ने के एवज में अपराधी एक लाख रुपए की फिरौती की मांग कर रहे हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए उनके नेतृत्व में गठित छापामारी दल ने हड़गड़ी जंगल में सर्च अभियान चलाया गया। सर्च अभियान के क्रम में हुए अपहृत लोगों के पास पुलिस बल को पहुंचते देख अपराधकर्मियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई मे अपराधकर्मी भयभीत होकर अपहृत लोगों को छोड़कर भाग गये। सभी छः अपहृत लोगों पुलिस दल द्वारा सकुशल बरामद कर लिया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि सभी 06 अपराधकर्मियों में से दो अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है,वहीं तीन अन्य को निरुद्ध किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से 03 देशी भराठि बंदूक, एक पिस्टल जैसा दिखने वाला लाईटर,एक गुप्ती (बड़ा चक्कू) एवं इस घटना में लुटे गये 03 मोबाईल बरामद किया है। इस संदर्भ में सिमरिया थाना कांड सं- 116/26, दिनांक 19.06.2026, धारा-140(2)/109/132/308(4)/311/312/121(2) भा0न्या0सं0 & 25 (1-बी) ए/27/28/35 आर्म्स एक्ट एवं 17 (1)(11) सीएलए एक्ट दर्ज किया गया है। गिरफ्तार अपराधियों में टंडवा थाना क्षेत्र के हेसातु, टोला लेम्बोडीह के रमेश कुमार गंझू (24 वर्ष) पिता मंगर गंझू एवं सतीश कुमार गंझू (19 वर्ष) पिता मीटन गंझू को गिरफ्तार किया गया है। छापामारी दल में अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी नागरगोजे शुभम भाऊ साहेब, सिमरिया थाना प्रभारी सूर्य प्रताप सिंह, सअनि चन्द्रमौलेश्वर कुमार,पुअनि राजु राणा, सिमरिया थाना सशस्त्र बल के गृह रक्षक-11423 अंकित कुमार सिंह शामिल थे।

पूर्व डीआईजी राजीव रंजन सिंह के सुपुत्र की शादी में शामिल हुए सुनील सिंह

संवाददाता

रांची : भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी सह भारतीय जनता मजदूर संघ प्रदेश महामंत्री सह राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह अखिल भारतीय सवर्ण मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव सुनील कुमार सिंह पूर्व डीआईजी राजीव रंजन सिंह के सुपुत्र डॉ सुयश रंजन की शादी समारोह में शामिल होकर उनके सुखद वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दी। डॉ सुयश पूर्व डीआईजी राजीव रंजन सिंह एवं मंजू सिंह के सुपुत्र हैं। जिनकी शादी अक्षय सिंह एवं प्रभा सिंह की सुपुत्री अक्षिता सिंह के साथ 19 जून 2026 को होटल रेडिसन ब्लू रांची झारखंड में संपन्न हुई। उक्त समारोह के मौके पर भाजपा नेता सुनील कुमार सिंह ने नव दंपत्ति को आशीर्वाद देते हुए कहा कि भगवान भोलेनाथ नव विवाहित जोड़े को सलामत रखें। दोनों की वैवाहिक जीवन मंगलमय हो। मैं तुम्हें शादी पर बधाई देता हूं, और ईश्वर से तुम्हारे लिए एक समृद्ध और खुशहाल घर की कामना करते हुए, तुम्हें नव वैवाहिक जीवन की शुरूआत पर खुशी, प्रेम और प्रसन्नता की अनंत शुभकामनाएं देता हूं। उक्त शादी समारोह के मौके पर केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा यादव, विधायक सीपी सिंह, पूर्व डीजीपी डीके पांडेय, डा अभिषेक सिंह, ठाकुर नीरज सिंह ,राजीव नाथ शाहदेव, राजेंद्र सिंह, जेडीयू नेता धर्मेंद्र तिवारी, (पूर्व अथवा वर्तमान) प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारीगण के साथ गणमान्य व्यक्तियों सहित परिवार के सदस्यगण सगे संबंधी एवं मित्रगण शामिल रहे।

डिजिटल कृषि रथ को उपायुक्त ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

संवाददाता

चतरा : किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों एवं सरकार द्वारा संचालित कृषि कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी सीधे गांव स्तर तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुक्रवार को समाहरणालय परिसर से डिजिटल कृषि रथ को उपायुक्त रवि आनंद द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों का भ्रमण कर किसानों को कृषि, पशुपालन एवं मत्स्य पालन से संबंधित योजनाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराएगा।जिले में कुल दो डिजिटल कृषि रथ संचालित किए जा रहे हैं, जो दिनांक 19 जून 2026 से 03 जुलाई 2026 तक सभी प्रखंडों की पंचायतों में भ्रमण करेंगे। रथ में स्थापित आधुनिक प्रोजेक्टर एवं ऑडियो-वीडियो प्रणाली के माध्यम से किसानों को कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं, उन्नत कृषि पद्धतियों, प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण, पशुपालन, मत्स्य पालन तथा कृषि यंत्रीकरण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदर्शित की जाएंगी।इस दौरान किसानों को बीज वितरण कार्यक्रम, कृषि यंत्र अनुदान योजना, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, जल संरक्षण एवं अन्य कृषि आधारित योजनाओं के संबंध में भी जागरूक किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक किसान सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर अपनी आय में वृद्धि कर सकें। उपायुक्त ने कहा कि कृषि क्षेत्र में तकनीक का समावेश समय की आवश्यकता है। डिजिटल कृषि रथ किसानों को नवीनतम कृषि जानकारियों एवं सरकारी योजनाओं से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बनेगा।

मानदेय के लिए सड़क पर उतरे स्वास्थ्यकर्मी

हजारीबाग : हजारीबाग स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत अनुबंध एवं आउटसोर्सिंग कर्मियों का सब्र का बांध शुक्रवार को टूट गया। लंबित मानदेय भुगतान की मांग को लेकर बड़ी संख्या में स्वास्थ्य कर्मी सिविल सर्जन कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरने पर बैठ गए। झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर आयोजित इस प्रदर्शन ने विभाग की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। धरने की अध्यक्षता करते हुए झारखंड चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष संजय कुमार ने कहा कि बार-बार गुहार लगाने के बाद भी मानदेय का भुगतान समय पर नहीं हो रहा है, जिससे कर्मचारियों के समक्ष आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। प्रदर्शन में जिला भर के विभिन्न प्रखंडों से आए सीएचओ, एएनएम और आउटसोर्सिंग कर्मियों ने अपनी एकजुटता दिखाई।सिविल सर्जन के राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में व्यस्त होने के कारण, प्रदर्शनकारी कर्मियों ने जिला मलेरिया पदाधिकारी डॉ. कपिल मुनी और वरीय लिपिक सैयद नकी अहमद को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा। कर्मियों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगों का स्थायी समाधान नहीं होता, संघर्ष जारी रहेगा। मांग पत्र मिलने के बाद डॉ. कपिल मुनी ने प्रदर्शनकारी कर्मचारियों को आश्वस्त किया कि मुख्यालय, बरकट्ठा, बड़कागांव, इचाक, कटकमसांडी, सदर, विष्णुगढ़, चौपारण, चुरचू, बरही और केरेडारी प्रखंडों के विपत्र (बिल्स) कोषागार में भेज दिए गए हैं और भुगतान की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने आउटसोर्सिंग कर्मियों को भरोसा दिलाया कि सिविल सर्जन के लौटते ही संबंधित एजेंसियों के साथ वार्ता कर लंबित भुगतान सुनिश्चित कराया जाएगा। आश्वासन मिलने के बाद कर्मियों ने अपना धरना समाप्त किया।कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला महासंघ के अध्यक्ष शंकर प्रसाद, संरक्षक कुमार सुनील मिश्रा, पूर्व अध्यक्ष प्रेमचंद राम, जिला सचिव मनीष कुमार एवं चितरंजन के जिला सचिव मो. सज्जाद आलम सहित भारी संख्या में स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे।

रांची चुनाव के बाद महागठबंधन में घमासान

कांग्रेस के आरोपों पर माले का पलटवार, क्रॉस वोटिंग के आरोपों पर बढ़ा विवाद

संवाददाता

रांची : झारखंड राज्यसभा चुनाव के परिणाम के बाद महागठबंधन के भीतर विवाद गहरा गया है। कांग्रेस उम्मीदवार प्रणव झा की हार के बाद कांग्रेस ने राजद और भाकपा (माले) पर क्रॉस वोटिंग का आरोप लगाया है। वहीं, माले ने कांग्रेस के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कांग्रेस प्रभारी के राजू पर ही गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

माले ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी सफाईः शुक्रवार को रांची स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में माले नेताओं गीता मंडल और हलधर महतो ने कहा कि राज्यसभा चुनाव के दौरान उन्हें पार्टी की ओर से अधिकृत पोलिंग एजेंट बनाया गया था। उन्होंने दावा किया कि माले के दोनों विधायक अरूप चटर्जी

और चंद्रदेव महतो ने मतदान के बाद उन्हें अपना मतपत्र दिखाया था, जिसमें कांग्रेस प्रत्याशी प्रणव झा के पक्ष में मतदान किया गया था।

'क्रॉस वोटिंग का आरोप पूरी तरह निराधार': माले नेताओं ने कहा कि ऐसे में पार्टी पर क्रॉस वोटिंग का आरोप पूरी तरह निराधार और राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित है। उनका कहना है कि यदि उनके विधायकों ने कांग्रेस प्रत्याशी को वोट दिया था, तो कांग्रेस किस आधार पर माले को कटघरे में खड़ा कर रही है।

हार के बाद सहयोगियों पर आरोप लगाने का आरोपः माले नेताओं ने कहा कि कांग्रेस अपनी हार के बाद बिना किसी ठोस प्रमाण के सहयोगी दलों पर आरोप लगा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि गठबंधन की एकजुटता बनाए रखने के बजाय कांग्रेस सहयोगी दलों को सार्वजनिक रूप से कठघरे में खड़ा कर रही है।

कांग्रेस के पुराने विवादों का भी किया जिक्रः माले ने इस दौरान कांग्रेस के राजनीतिक आचरण पर भी सवाल उठाए। नेताओं ने वर्ष 2022 के उस मामले का उल्लेख किया, जब कांग्रेस के तीन विधायक भारी नकदी के साथ पकड़े गए थे। माले का आरोप है कि कांग्रेस के कुछ नेताओं की गतिविधियां पहले भी गठबंधन के लिए असहज स्थिति पैदा करती रही हैं।

कॉरपोरेट हितों के करीब होने का आरोपः प्रेस कॉन्फ्रेंस में माले नेताओं ने कांग्रेस पर कॉरपोरेट हितों के करीब होने का भी आरोप लगाया। उनका कहना था कि कांग्रेस को पहले अपने संगठन और नेतृत्व स्तर पर आत्ममंथन करना चाहिए, बजाय इसके कि वह अपनी हार का ठीकरा सहयोगी दलों पर फोड़े।

महागठबंधन में बढ़ी खींचतानः राज्यसभा चुनाव के बाद शुरू हुई यह बयानबाजी महागठबंधन के भीतर बढ़ती खींचतान को उजागर कर रही है। कांग्रेस और माले के बीच सार्वजनिक रूप से आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू होने से गठबंधन की एकजुटता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

आगे क्या होगा?

अब सभी की नजर इस बात पर है कि महागठबंधन के घटक दल इस विवाद को बातचीत के जरिए सुलझाते हैं या फिर यह राजनीतिक टकराव आने वाले दिनों में और गहरा होता है। फिलहाल राज्यसभा चुनाव के नतीजों के बाद झारखंड की राजनीति में नई हलचल तेज हो गई है।

लोक भवन में आयोजित पश्चिम बंगाल स्थापना दिवस समारोह में राज्यपाल ने कहा-

विविधताओं में एकता का देश है भारत

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने आज लोक भवन में आयोजित पश्चिम बंगाल स्थापना दिवस समारोह में झारखण्ड में निवास कर रहे पश्चिम बंगालवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत विविधताओं का देश है व अनेक भाषाओं, संस्कृतियों, परंपराओं और जीवन-पद्धतियों का संगम है। भिन्नताओं के बावजूद विविधता में एकता हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि प्रधानमंत्री की एक भारत, श्रेष्ठ भारत पहल विभिन्न राज्यों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान, पारस्परिक समझ और भावनात्मक एकता को सुदृढ़ करने का महत्वपूर्ण माध्यम बनी है।

राज्यपाल ने कहा कि झारखण्ड और पश्चिम बंगाल का संबंध केवल भौगोलिक निकटता तक सीमित नहीं है, बल्कि दोनों राज्यों के बीच सांस्कृतिक, सामाजिक और भावनात्मक संबंध भी अत्यंत गहरे हैं। उन्होंने झारखण्ड में निवासरत बंगाली समाज के शिक्षा, संस्कृति, उद्योग, व्यापार तथा सामाजिक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में दिए गए उल्लेखनीय योगदान की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी।

राज्यपाल ने कहा कि बंगाल की धरती ज्ञान, सृजनशीलता और सांस्कृतिक चेतना की भूमि रही है। सामाजिक पुनर्जागरण से लेकर स्वतंत्रता संग्राम तक बंगाल ने राष्ट्र निर्माण में ऐतिहासिक योगदान दिया है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि साहित्य, संगीत, कला और सिनेमा के क्षेत्र में बंगाल का योगदान अविस्मरणीय है। महान फिल्मकार सत्यजीत रे ने भारतीय सिनेमा को वैश्विक पहचान दिलाई। बंगाल की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा, सृजनशीलता और बौद्धिक विरासत आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी हुई है।

राज्यपाल ने बंगाल की उत्सवधर्मी संस्कृति की सराहना करते हुए कहा कि दुर्गा पूजा और काली पूजा जैसे पर्व केवल धार्मिक आस्था के प्रतीक नहीं हैं, बल्कि सामाजिक समरसता, सामूहिकता और सांस्कृतिक वैभव के उत्सव भी हैं। इन आयोजनों के माध्यम से बंगाल की सांस्कृतिक पहचान देश और दुनिया के सामने उजागर होती है। उन्होंने कहा कि बंगाल की पाक-परंपरा अपनी विशिष्टता, विविधता और आत्मीयता के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। पारंपरिक व्यंजनों की मिठास और बांग्ला भाषा की मधुरता वहाँ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का परिचायक है।

राज्यपाल ने कहा कि सांस्कृतिक समृद्धि के साथ-साथ पश्चिम बंगाल ने उद्योग, कृषि, शिक्षा, विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भी उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की है। देश की आर्थिक, बौद्धिक और सांस्कृतिक प्रगति में बंगाल की भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है और भविष्य में भी बनी रहेगी। उन्होंने पश्चिम बंगाल के सभी नागरिकों की निरंतर शांति, समृद्धि एवं विकास की कामना की।

उक्त अवसर पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी ने स्वागत भाषण में पश्चिम बंगाल स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि आज ही के दिन 1947 में इस राज्य का निर्माण हुआ। यह राज्य सांस्कृतिक रूप से काफी समृद्ध है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल और झारखण्ड में आत्मीयता का संबंध है। राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान की रचना भी बंगाल की देन है। दुर्गा पूजा और काली पूजा जैसे पर्व भी यहां धूमधाम से मनाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि बंगाल न केवल सांस्कृतिक दृष्टि से समृद्ध है, बल्कि औद्योगिक और आर्थिक दृष्टि से भी देश के अग्रणी राज्यों में रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम जहां भी रहें अपने राज्य और राष्ट्र के विकास के लिए निरंतर कार्य करते रहें।

के राजू पर अनर्गल आरोप बर्दाश्त नहीं: विजय शंकर नायक

रांचीः झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने कहा कि झारखंड कांग्रेस प्रभारी के. राजू के विरुद्ध राजद के कुछ नेताओं द्वारा की जा रही आधारहीन एवं अमर्यादित बयानबाजी अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। राजनीतिक हताशा में एक सम्मानित दलित नेतृत्व को निशाना बनाना केवल व्यक्तिगत हमला नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की विचारधारा और दलित समाज के सम्मान पर भी आघात है

विजय शंकर नायक ने आगे कहा की राजद नेताओं को यह समझ लेना चाहिए कि के राजू कोई सामान्य राजनीतिक कार्यकर्ता नहीं हैं। वे भारतीय प्रशासनिक सेवा (भा.प्र.से.) के अत्यंत सम्मानित, ईमानदार और जनपक्षधर अधिकारी रहे हैं, जिन्होंने अपने प्रशासनिक जीवन में ग्रामीण विकास, सामाजिक न्याय, पारदर्शिता, शिक्षा और गरीबों के अधिकारों के लिए उल्लेखनीय कार्य किया है। सेवानिवृत्ति के बाद भी उन्होंने सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहकर संविधान, सामाजिक न्याय और वंचित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई को कांग्रेस के माध्यम से आगे बढ़ाया है। के. राजू अनुसूचित जाति समाज से आने वाले ऐसे व्यक्तित्व हैं जिन्होंने संघर्ष, प्रतिभा और ईमानदारी के बल पर राष्ट्रीय पहचान बनाई। कांग्रेस नेतृत्व ने उनके प्रशासनिक अनुभव, स्वच्छ छवि और संगठनात्मक क्षमता को देखते हुए झारखंड जैसे महत्वपूर्ण राज्य की जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों, किसानों, मजदूरों, महिलाओं और गरीबों के अधिकारों को मजबूत करने वाली अनेक ऐतिहासिक नीतियों और कानूनों के निर्माण तथा क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

अंजुमन फरोग-ए-उर्दू झारखंड की समीक्षा बैठक

उर्दू अकादमी का गठन और शिक्षकों की बहाली पर जोर

गुलाम शाहिद

रांचीः अंजुमन फरोग-ए-उर्दू, झारखंड के नवनिर्वाचित सदस्यों की वार्षिक समीक्षा बैठक शनिवार को कर्बला चौक स्थित गुलशन हॉल में हुई। बैठक की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष डॉ मोहम्मद इकबाल ने की। बैठक में झारखंड राज्य में उर्दू भाषा की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई और इसके प्रचार-प्रसार व विकास के लिए प्रभावी रणनीति तैयार किया गया। साथ ही झारखंड में उर्दू अकादमी की स्थापना और उसे सक्रिय बनाने के लिए सरकार से पुरजोर मांग की गई । इसके साथ ही, उर्दू स्कूलों और सरकारी शैक्षणिक संस्थानों में उर्दू शिक्षकों के रिक्त पदों को तत्काल भरने के लिए आंदोलन की रणनीति तैयार की गई। सभी सरकारी और अर्ध-सरकारी कार्यालयों तथा सार्वजनिक सेवाओं में उर्दू भाषा के उपयोग को सुनिश्चित करने का प्रयास करने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा दुकानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और सार्वजनिक स्थानों पर उर्दू में साइनबोर्ड लगाने के लिए जागरूकता अभियान शुरू करने का निर्णय लिया गया।

उर्दू छात्रों के लिए विशेष शैक्षणिक सुविधाएं, छात्रवृत्ति , करियर काउंसलिंग और कोचिंग प्रोग्राम शुरू करने पर विचार-विमर्श किया गया।

संगठन के जिला इकाइयों को सक्रिय करने और आगामी वर्ष के लिए सदस्यता अभियान को तेज करने के लिए रोड मैप भी तैयार किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि वर्ष में कम से कम एक राज्यस्तरीय सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। बैठक का संचालन डॉ गालिब नशतर ने की। मौके पर डॉ अब्दुल बासित, डॉ शाहनवाज खान, डॉ मुकम्मल हुसैन, डॉ शगुफ्ता बानो, रईस खान,दिलशाद नजमी, जमियातुल इराकीन के सचिव सैफुल हक,दानिश हम्माद, महताब आलम,शगूफा तहजीब, हिना आफरीन, डॉ दानिश अयाज, आबिदा अंजुम,मोकर्रम हयात, मासूमा परवीन,कारी आरिफ, मोहम्मद तहसीन, मंसूर आलम, राशिद जमाल सहित अन्य उपस्थित थे।

ब्लड डोनेशन कैंप के साथ कल से शुरू होगा 5159वां माहेश्वरी वंशोत्पति दिवस

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः माहेश्वरी समाज की वंशोत्पत्ति जेष्ठ शुक्ल नवमी भगवान महेश के आशीर्वाद से हुई है। इसलिए प्रत्येक वर्ष इस दिन माहेश्वरी वंशोत्पत्ती दिवस मनाते है। हिंदी तिथि के अनुसार इस बार 23 जून को महेश नवमी है। रांची माहेश्वरी सभा , महिला समिति एवं युवा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में माहेश्वरी समाज के सभी वर्ग एवं सदस्यों के लिए आयोजित महेश नवमी कार्यक्रम 21 से 28 जून तक होने वाले है। मीडिया प्रभारी अशोक साबू एवं रश्मि मालपानी ने बताया हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी विभिन्न प्रतियोगिता एवं कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। स्कूटोथन, रक्तदान शिविर, नेत्र जांच, कैरम, सतरंज, सुडोको , फनांताक्षरी, खाने का स्वाद ,सास बहु के साथ, फैमिली हंगामा नाईट, नन्हे सुपर स्टार, प्रभात फेरी, शिव अभिषेक, वरिष्ठ सदस्यों का सम्मान, ओजस्वी एवं तेजस्वी बच्चों को पुरस्कार एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होना निश्चय हुआ है। महोत्सव के मुख्य संयोजक अंकुर डागा, सुरेश सारडा, रितिका सारडा, सुमन बाहेती , आकाश चितलांगिया एवं मोहित लाखोटिया के साथ सभा अध्यक्ष किशन साबू, सचिव नरेंद्र लाखोटिया, महिला अध्यक्ष विजयश्री साबू, सचिव बिमला फलोड़, युवा अध्यक्ष विनय मंत्री, सचिव हेमंत माहेश्वरी , वसंत लखोटिया, प्रभात साबू, हेमंत साबू, मनमोहन मोहता, गिरिजाशंकर पेड़ीवाल, श्याम बियानी, राजेश सोमानी एवं संगठन के सभी सदस्य के मार्गदर्शन में यह उत्सव संपन्न होगा।

पुरी- तपस्विनी एक्सप्रेस के प्रस्थान समय में आज परविर्तन

रांचीः लिंक रेक के विलम्ब से चलने की वजह से ट्रेन संख्य 18451 हटिया - पुरी तपस्विनी एक्सप्रेस यात्रा प्रारंभ दिनांक 20/06/2026 के प्रस्थान समय में परिवर्तन किया गया है, यह ट्रेन अपने निर्धारित प्रस्थान समय 14:30 बजे के स्थान पर 17:30 बजे हटिया से प्रस्थान करेगी।

रांची नाबार्ड महोत्सव में मिल रहे ऑर्गेनिक आम, कल तक सजा रहेगा बाजार

संवाददाता

रांचीः राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के तत?वावधान में 19 से 21 जून तक आम महोत?सव का आयोजन किया जा रहा है। राजधानी के शहीद चौक स्थित झारखंड राज्य सहकारी बैंक परिसर में लगे इस प्रदर्शनी में राज्य के आदिवासी किसानों द्वारा उत्पादित विभिन्न प्रकार के आमों की प्रदर्शनी और बिक्री की जा रही है। नाबार्ड झारखंड क्षेत्रीय कार्यालय वर्ष, 2021 से हर साल रांची में आम महोत्सव का आयोजन कर रहा है। शुक्रवार को इस महोत्सव का शुभारंभ नाबार्ड की मुख्य महाप्रबंधक, झारखंड राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड की अध्यक्ष बिभा सिंह, एसएलबीसी के महाप्रबंधक गुरु प्रसाद गोंड, सामाजिक और पर्यावरण संरक्षण कार्यकर्त्ता जमुना टुडू, दिव्यायन कृषि विकास केंद्र, रांची के सचिव स्वामी भावेशानंद ने संयुक्त रूप से किया। किसानों को मिल रहा सीधा बाजार यह उत्सव नाबार्ड वाडी परियोजनाओं के तहत

समर्थित आदिवासी किसानों के लिए आयोजित किया जा रहा है, जो आम सहित अन्य फलों, अनाज और सब्जियां उगा रहे हैं। यह शहरवासियों को अच्छी गुणवत्ता और रसायन-मुक्त यानी कार्बाइड मुक्त आम उपलब्ध करा रहा है। आम महोत्सव आदिवासी किसानों को बिचौलियों और कमीशन एजेंटों से मुक्त होकर सीधे बाजार भी प्रदान करेगा।

एक्सपोर्ट क्वालिटी रसायन मुक्त आम, अनाज और सब्जियां: आम महोत्सव में राज्य के विभिन्न नाबार्ड समर्थित बाड़ी परियोजनाओं द्वारा उगाये गये दूधिया मालदा, हिमसागर, लंगड़ा, तोतापरी, हिमसागर, आम्रपाली, मल्लिका आदि सहित आमों की विभिन्न किस्मों की प्रदर्शन और बिक्री की जा रही है। यह एक्सपोर्ट क्वालिटी आम सीधे किसानों के खेतों से आप तक पहुंच रही है। उपज को पकाने के लिए किसी भी रसायन का उपयोग नहीं किया गया है। महोत्सव में लगाये गये स्टॉल्स पर काजू, मखाना, शहद, मोटे आर्गेनिक अनाज, सब्जियों और अन्य वनोत्पादों को लोग खास खुशबू और स्वाद के लिए खूब पसंद कर रहे हैं।

इस्लाहुल इराकीन कमेटी चुनाव

सचिव पद के युवा उम्मीदवार मोहम्मद अब्दुल्लाह सर्फ को घड़ी छाप पर वोट कर विजयी बनाएं

इटकी/मेट्रो रेज: इस्लाहुल इराकीन कमेटी इटकी के आगामी चुनाव में सचिव पद के युवा, शिक्षित एवं कर्मठ उम्मीदवार मोहम्मद अब्दुल्लाह सर्फ ने बिरादरी के सभी मतदाताओं से 28 जून को होने वाले चुनाव में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है।

उन्होंने कहा कि कमेटी को संगठित, मजबूत एवं विकासोन्मुख बनाने के लिए सभी लोगों का सहयोग आवश्यक है। मोहम्मद अब्दुल्लाह सर्फ ने कहा कि उनका उद्देश्य कमेटी में पारदर्शिता, आपसी भाईचारा, शिक्षा के प्रसार तथा सामाजिक विकास के कार्यों को नई दिशा देना है। उन्होंने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि चुनाव चिन्ह घड़ी छाप (क्रम संख्या-1) पर मुहर लगाकर उन्हें भारी मतों से विजयी बनाएं। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है झ ्नई सोच, नया सवेराज़। इसी सोच के साथ हम सभी मिलकर अपनी बिरादरी की इस पंचायत को और अधिक संगठित, मजबूत तथा प्रगतिशील बनाएंगे। सभी मतदाताओं से अपील की गई है कि वे 28 जून को अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें तथा सचिव पद के उम्मीदवार मोहम्मद अब्दुल्लाह सर्फ के पक्ष में घड़ी छाप (क्रम संख्या-1) पर मतदान कर उन्हें सफल बनाएं।

कैलाश मानसरोवर जाने वाले जत्थे को किया विदा

मेट्रो रेज

रांचीः श्री राम भरत मिलाप समिति के अध्यक्ष रोहित शारदा के नेतृत्व में कैलाश मानसरोवर यात्रा में जाने वाले श्रद्धालुओं को रांची हवाई अड्डे पर माला पहनाकर , मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं सहित विदा किया गया। इस जत्थे में श्री राम भरत मिलाप समिति के बालवीर जैन मारवाड़ी युवा मंच रांची दक्षिण शाखा के संजय अग्रवाल, शशि भूषण सिंह ,गीता देवी चंद्रकांत सिंघानिया, कृष्णा मिश्रा ,पूनम चटर्जी लखनऊ के लिए रांची हवाई अड्डे से रवाना हुए कल सुबह लखनऊ से मानसरोवर की यात्रा के लिए आगे का रास्ता तय करेंगे। शुभकामना एवं विदाई देने वालों में श्री राम भरत मिलाप समिति के अध्यक्ष रोहित शारदा, महेश विजय, जितेंद्र बरनवाल मारवाड़ी युवा मंच रांची दक्षिण शाखा के अध्यक्ष ऋषभ रामपुरिया कोषाध्यक्ष रामचंद्र अग्रवाल भारत तिब्बत सहयोग मंच के अनिल केसरी, प्रज्ञा सोनी, खुशबू जैन ,चिराग जैन आशीष हीरो सहित अन्य सदस्य

उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री राम भरत मिलाप समिति के अध्यक्ष रोहित शारदा ने कहा कि जो जाते हैं बाबा के दरबार वह महासौभाग्यशाली होते हैं और जो उनको छोड़ने आते हैं वह भी कम सौभाग्यशाली नहीं होते। सभी जाने वाले दर्शनार्थियों को शुभकामना। मारवाड़ी युवा मंच रांची दक्षिण शाखा के अध्यक्ष ऋषभ रामपुरिया ने इस अवसर पर कहा आने वाले समय में यात्रा बहुत ही सुलभ हो ऐसी सरकार से हम मांग करते हैं। भारत तिब्बत सहयोग मंच के अनिल केसरी ने कहा कि कैलाश मानसरोवर की यात्रा जिस दिन बिना वीजा पासपोर्ट के होगा उस दिन रांची से एक जत्था कैलाश मानसरोवर की यात्रा में भारत तिब्बत सहयोग मंच झारखंड प्रदेश लेकर जाएगा।

नागपुरी फिल्म सेरेंग व एल्बम पर अश्लीलता के विरुद्ध कार्रवाई की मांग

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची : केन्द्रीय सरना समिति के तत्वावधान में झारखंड में नागपुरी फिल्म सेरेंग एवं नागपुरी एल्बम पर अश्लीलता के विरुद्ध होटल गांगा आश्रम में प्रेस वार्ता रखी गई। केन्द्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कहा कि नागपुरी फिल्म सेरेंग में मुस्लिम लड़का और मुंडा लड़की के बीच प्रेम प्रसंग और मुंडा लड़की का धर्म परिवर्तन कर कर शादी करने का दृश्य फिल्माया गया जिसमें लव जिहाद और धर्म परिवर्तन को बढ़ावा देने एवं पूरे फिल्म में उरांव, मुंडा अनुसूचित जनजाति पर अवध टिप्पणी कर अपमानित किया गया है । फिल्म के निर्माता, निर्देशक नायक, नायिका एवं उनके सहयोगियों पर कानूनी कार्रवाई करने एवं फिल्म में प्रतिबंध लगाने के संबंध में केन्द्रीय सरना समिति के प्रतिनिधि मंडल ने केन्द्रीय सरना समिति के अध्यक्ष

बबलू मुंडा के अगुवाई में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य डॉ आशा लकड़ा से दिल्ली स्थित आवास में मिलकर दिनांक 23/5/2026 को इस फिल्म एवं नागपुरी एल्बम में हो रहे अश्लीलता के विरुद्ध मांग पत्र सौंपा था,उसी के आलोक में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग द्वारा केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड मुंबई एवं केन्द्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार को सात दिन के अंदर अधोहस्ताक्षरी को डाक से या वैयक्तिक रुप से उपस्थित होकर या किसी अन्य संचार साधन से संबंधित आप मामले और सूचनाओं पर की गई कार्यवाही से संबंधित सूचना प्रस्तुत करें। केन्द्रीय अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कहा कि इस कार्रवाई के बाद भी नागपुरी फिल्म के निर्माता, निर्देशक नागपुरी एल्बम में फुअड़ता, अश्लीलता एवं आदिवासी पारंपरिक व्यवस्था को नष्ट करता है तो आदिवासी पारंपरिक व्यवस्था को नष्ट करने वाले वैसे नागपुरी कलाकारों को सामाजिक दंड दिया जाएगा। मुख्य पाहन जगलाल पाहन ने कहा कि नागपुरी फिल्म निर्माता निर्देशक जब भी नागपुरी फिल्म या एल्बम बनाएं तो अनुसूचित जनजाति एवं जनजातियों की मान सम्मान धर्म संस्कृति रीति रिवाज एवं परंपराओं को ध्यान में रखकर बनाएं। केंद्रीय सरना समिति के प्रधान महासचिव अशोक मुंडा ने कहा कि नागपुरी फिल्म सेरेंग में आदिवासी समाज के प्रति जो दिखाया गया है वह हमारे धार्मिक सामाजिक एवं सामूहिकता के विपरीत जिसके कारण आदिवासी संस्कृति गौरव पूर्ण इतिहास अस्तित्व अस्मिता के ऊपर सोची समझी कुटरघात है। संदीप उरांव ने कहा कि इस फिल्म में आदिवासी समाज का चरित्र को जानबूझकर कलंकित किया गया है जिसके कारण आदिवासी समाज में दुष्प्रभाव पड़ेगा। आज के इस प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा, मुख्य पाहन जगलाल पाहन, प्रधान महासचिव अशोक मुंडा, महासचिव महादेव टोप्पो, जगन्नाथ तिर्की, संदीप उरांव, अनीता गाड़ी, सुरेंद्र लिंडा, आकाश मुंडा, विशाल मंडा व अन्य उपस्थित थे।

Government of Jharkhand
Office of the Executive Engineer
Drinking Water and Sanitation Division
Hatia Project, Ranchi

Short e-EOI Notice inviting for preparation of Jharkhand Scheduled of Rates
Short e-EOI Notice inviting no-DWSD/HATIA/02-2026-27 Dated- 19.06.2026

Sl. No.	Particulars	Details
1	Name of Work	Request Proposal for preparation of Jharkhand Schedule of Rates for Various Chemicals, Regents, CRM and SRM in water Testing Laboratories under Drinking Water and Sanitation Department, Jharkhand.
2	Name of Advertisement Officer	Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Hatia Project, Ranchi.
3	EOI Publish Date & Time	22.06.2026 at 12.30 PM
4	Last date & Time of Submission of EOI	03.07.2026 at 5.00PM
5	Date & Time of Opening of EOI	06.07.2026 at 11.00 AM

Note : 1. Item wise EOI as per serial no. should be quoted separately.
2. e-quotations/EOI are hereby invited from the reputed Manufacturer/ Authorized Dealers/ Distributor/Supplier/ Agencies for the items of rate quot9ed.
3. The rate quoted by the Agency must be excluding IT/ST/GST, Transportation & Freight charges.
4. The Manufacturer/Authorized Dealers/Distributor/ Supplier/Agencies should provide the documents of their identity.
5. The undersigned reserves to accept or reject any or all quotations without assigning any reasons whatsoever.
6. The quotation can also be seen on jharkhandtenders.gov.in
7. The agencies may contact the Division Office in working days from 10.00 am to 5.00 pm, for detailed information, if required.

PR 382792 Drinking Water and Sanitation(26-27).D

Executive Engineer
D. W. & S. Division Hatia Project,Ranchi

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

दलीय टूट-फूट के सवालों से मुठभेड़ जरूरी

डॉक्टर लोहिया ने कहा तो था समाजवादियों से, लेकिन लगता है कि उनकी बात आज के विपक्षी दलों ने ज्यादा शिद्दत से मान ली है। लोहिया ने कहा था, सुधरो या टूट जाओ। लोहिया की इस अपील को उनके समाजवादी चेलों ने तो माना ही, अब गैर समाजवादी अनुयायी भी स्वीकार कर चुके हैं। चार मई को पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद सबसे बड़ी टूट उस ममता की पार्टी में हुई, जिन्हें राजनीतिक मैदान का योद्धा माना जाता था। जो झुकना नहीं जानतीं। पहले उनके 80 में से 53 विधायक टूट गए और विधानसभा में उन्होंने अपना अलग गुट बना लिया। इसके बाद लोकसभा के उनके 29 में से बीस सांसद भी टूट गए। दिलचस्प यह है कि उन्होंने एक अनाम-सी पार्टी नेशनल सिटिजन्स पार्टी में अपना विलय कर लिया। ममता की राह पर उद्धव ठाकरे की शिवसेना के भी सांसद चल पड़े हैं और हो सकता है कि इन पंक्तियों के प्रकाशित होने तक उनके नौ में से छह लोकसभा सांसद पाला बदलकर एकनाथ शिंदे की शिवसेना के धनुष पर तीर चढ़ा रहे होंगे। सुगबुगाहट तमिलनाडु की द्रविड़ मुनेत्र कषगम के संसदीय दल में भी टूट-फूट की दिख रही है। इस बीच सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता ओमप्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव की अगुआई वाली समाजवादी पार्टी में भी टूट की भविष्यवाणी जता दी है।

भारतीय राजनीति में दल-बदल कोई नई बात नहीं है। अतीत में भी दल-बदल होते रहे हैं। हरियाणा में तो तकरीबन पूरा विधायक दल ही दूसरे दल में समा गया था। उसी के बाद से दलबदल के लिए भारतीय राजनीति में ह्यआयाराम गयारामह्न का मुहावरा ही चल पड़ा था। लेकिन पश्चिम बंगाल के चुनावों के बाद जिस तरह दल-बदल या दलों में टूटफूट हो रहा है, वह अप्रत्याशित है। इतने बड़े पैमाने पर राजनीतिक दलों में भगदड़ पहले नहीं हुई थी। पहले किसी एक या दो दल में ऐसा होता था। ऐसा लग रहा है कि जैसे बीजेपी विरोधी दलों को दल-बदल या टूट-फूट वाली छूत की बीमारी लग गई है। इस प्रभावित दल इस टूट-फूट के लिए बीजेपी को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। उनका आरोप है कि बीजेपी टूटने वाले नेताओं को मोटी रकम का लालच दे रही है। उनका यह भी आरोप है कि संवैधानिक सुधारों के लिए चूंकि बीजेपी को संसद के दोनों सदनों में दो तिहाई बहुमत की जरूरत है, इसलिए वह धन और बाहुबल का लालच देकर दलों को तोड़ रही है। एक बारगी मान भी लें कि बीजेपी की शह पर ये टूट-फूट हो रही है तो एक प्रश्न जरूर उठता है कि आखिर राजनीतिक दलों ने कैसे नेताओं को अपना सांसद या विधायक बनाने के लिए चुना है? क्या उनके चयन में कोई गलती रही? सवाल यह भी उठता है कि जो टूट रहे हैं, क्या सांसद या विधायक बनाने को लेकर जब उनका चयन किया जा रहा था, तो उनकी कौन की खासियत देखी गई थी? क्या दल के प्रति न उनकी निष्ठा, उनके चरित्र आदि का ध्यान नहीं रखा गया। सवाल यह भी उठता है कि क्या बाहुबल या धन बल ही उनके चयन की बड़ी योग्यता मानी गई। इन सवालों का ईमानदारी से जवाब प्रभावित दल भले ही नहीं दे, लेकिन यह छुपी हुई बात नहीं है कि भारतीय राजनीति में संसद या विधानसभा में नुमाइंदगी के लिए दलीय निष्ठा की बजाय दूसरे कारकों का ज्यादा ध्यान रखा जा रहा है। इसमें चुनाव जीतने की क्षमता, चुनाव में खर्च करने की सामर्थ्य और जरूरत बड़ने पर पार्टी के लिए धन और बाहुबल के साथ खड़ा होने की शक्ति भी देखी जाती है। कई बार तो सिर्फ पैसे के दम पर ही टिकट हासिल कर लिए जाते हैं। यही वजह है कि मौका मिलते ही ये नेता अपनी निष्ठा बदलने में देर नहीं लगाते।

निश्चित तौर पर राजनीतिक दलों के गठन की बुनियाद उनका राजनैतिक और सामाजिक विचार और सिद्धांत होता है। इसके बावजूद लगातार महंगी होती चुनाव प्रक्रिया ने विचारधारा की राजनीति को पीछे खिसका दिया है। विचारधारा की दुहाई तभी तक दी जाती है, जब तक उसकी राह में धन बल या बाहुबल नहीं आता, जब तक कि सत्ता उससे दूर रहती है। अगर विचारधारा से विचलन के बाद सत्ता आती दिखती है तो राजनीतिक दल और नेता भी अपनी उस विचारधारा को कुछ वक्त के लिए ताक पर रख देते हैं। सिद्धांत और निष्ठाएं भी तब तक के लिए टाल दी जाती हैं। जब दलीय आधार पर ऐसा होता है तो निजी स्तर पर किसी सांसद और विधायक को आर्थिक या सत्ता में भागीदारी का मौका मिलेगा तो वह क्यों न टूटेगा। सवाल यह है कि जब दल और उसका अगुआ ही अपनी निष्ठा और विचारधारा को सत्ता के लिए किनारे रख देगा तो मौका मिलने पर उसका सांसद और विधायक ऐसा क्यों नहीं कर सकता। उद्धव ठाकरे के संसदीय दल में बिखराव की बड़ी वजह सत्ता के लिए पार्टी के सिद्धांतों से समझौता और कांग्रेस का साथ लेना रहा है।

टूट रहे सांसदों को लेकर आरोप लगाने वाले दलों को भी सोचना होगा कि आखिर उन्होंने किस तरह के लोगों को चुना? सवाल यह है कि जब पैसे लेकर टिकट दिए जाएंगे, जब दल और विचारधारा की निष्ठा के बजाय चुनावी टिकट हासिल करने के अन्य कारण होंगे तो फिर इस प्रक्रिया से चुनकरआए सांसदों और विधायकों की ख?ीद-बिक्री पर सवाल कैसे उठाए जा सकते हैं? कैसे उन्हें दलीय निष्ठा के प्रति बांधे रखा जा सकता है।

दलीय टूट-फूट का अभी कोई बड़ा नुकसान भले ही नहीं दिख रहा हो, लेकिन आने वाले दिनों में इसका एक बड़ा हश्र लोक विश्वास के दरकने के रूप में दिख सकता है। आज का मतदाता बहुविध सूचनाओं के तमाम स्त्रोतों से लैस है। उसकी राजनीतिक समझ पहले के मीडिया क्रांति केदौर के पहले के मतदाताओं की तुलना में कहीं ज्यादा विकसित है। उसका सामान्य ज्ञान कमजोर भले ही हो सकता है, लोकतांत्रिक प्रक्रिया और उसमें आ रहे निष्ठागत बदलावों की पृष्ठभूमि को वह समझ रहा है। ऐसे में उसका भरोसा मौजूदा राजनीतिक तंत्र से चूक सकता है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया से उसका भरोसा टूटना लोकतंत्र के लिए खतरनाक हो सकता है। दल बदलने वाले अपने प्रतिनिधि के बारे में वह सवाल उठा सकता है कि उसने जिस सोच के साथ उसे वोट दिया, उसका प्रतिनिधि उस सोच के साथ गद्दारी कर रहा है। कई बार स्थानीय कारणों के साथ ही अपनी वैचारिक निष्ठा के चलते भी अपना मत देता है। हो सकता है कि राष्ट्रीय स्तर पर किसी दल विशेष को बड़ा समर्थन मिला हो, लेकिन उसी दल विशेष के किसी स्थानीय प्रतिनिधि को स्थानीय निष्ठाओं, जरूरतों और कारकों के साथ ही वैचारिक कारणों से मतदाताओं का समर्थन नहीं मिलता। मान लेते हैं कि राष्ट्रीय या राज्य स्तर पर किसी दल विशेष को भारी समर्थन मिला है, लेकिन स्थानीय स्तर पर इसके ठीक उलट किसी अन्य दल या उसके प्रतिनिधि को समर्थन मिला है। इसका मतलब यह है कि राज्य या राष्ट्रीय स्तर पर समर्थन हासिल करने वाले दल के कार्यक्रमों और योजनाओं की बजाय स्थानीय योजनाओं को लेकर स्थानीय लोगों की अपनी अलग दृष्टि है, या अपनी अलग चाहत है। स्थानीय मतदाताओं का भरोसा उसे इसी वजह से मिला है। लेकिन उसका प्रतिनिधि अपनी निष्ठा बदल लेता है कि स्थानीय मतदाता खुद को आहत और ठगा हुआ महसूस कर सकता है। चूंकि इन दिनों दलीय टूट-फूट व्यापक स्तर पर हो रही है, इसलिए मतदाताओं में इसका व्यापक असर पड़ सकता है। इसके चलते मतदाता आहत महसूस कर स0कते हैं, विश्वासघात भी मान सकते हैं। इससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर भरोसा कमजोर हो सकता है। मौजूदा राजनीतिक तंत्र को मतदाताओं के मनमिजाज को इस नजरिए से भी समझना होगा। भारतीय लोकतंत्र को भरोसेमंद बनाने की राह राजनीतिक दलों को ही खोजना होगा।

पश्चिम एशिया में समकालीन भू-राजनीतिक बदलाव

इसी बीच खाड़ी देशों, ईरान तथा वैश्विक शक्तियों के बीच संबंधों में आए बदलाव पश्चिम एशिया में एक नई क्षेत्रीय व्यवस्था के निर्माण की ओर संकेत करते हैं। ऐसे परिवर्तनों के बीच भारत के लिए भी अपनी विदेश नीति को नए सिरे से परिभाषित करना आवश्यक हो गया है क्योंकि इस क्षेत्र से उसके ऊर्जा, व्यापारिक और प्रवासी हित गहराई से जुड़े हुए हैं।

- डॉ. सत्यवान सौरभ

पश्चिम एशिया आज विश्व राजनीति के सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील क्षेत्रों में से एक है। यह क्षेत्र वैश्विक ऊर्जा संसाधनों का केंद्र होने के साथ-साथ एशिया, यूरोप और अफ्रीका को जोड़ने वाला सामरिक भूभाग भी है। पिछले दो दशकों में इस क्षेत्र में हुए युद्धों, शासन परिवर्तनों, सांप्रदायिक संघर्षों, आतंकवाद के उभार तथा बाहरी शक्तियों के हस्तक्षेपों ने इसकी राजनीतिक संरचना को गहराई से प्रभावित किया है। इराक, सीरिया, लीबिया और यमन जैसे देशों के अनुभवों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सैन्य शक्ति के माध्यम से राजनीतिक स्थिरता स्थापित करने के प्रयास अक्सर अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाते। इसी बीच खाड़ी देशों, ईरान तथा वैश्विक शक्तियों के बीच संबंधों में आए बदलाव पश्चिम एशिया में एक नई क्षेत्रीय व्यवस्था के निर्माण की ओर संकेत करते हैं। ऐसे परिवर्तनों के बीच भारत के लिए भी अपनी विदेश नीति को नए सिरे से परिभाषित करना आवश्यक हो गया है क्योंकि इस क्षेत्र से उसके ऊर्जा, व्यापारिक और प्रवासी हित गहराई से जुड़े हुए हैं। शीतयुद्ध की समाप्ति के बाद पश्चिम एशिया में अमेरिका का प्रभाव लगभग निर्विवाद था। अमेरिका ने लोकतंत्र, सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी अभियानों के नाम पर इराक तथा अफगानिस्तान में सैन्य हस्तक्षेप किए। किंतु इराक युद्ध के परिणामों ने यह दिखाया कि शासन परिवर्तन के बाद भी स्थायी शांति और संस्थागत स्थिरता सुनिश्चित नहीं की जा सकती। सद्दाम हुसैन के पतन के बाद इराक में सांप्रदायिक तनाव बढ़ा, राजनीतिक अस्थिरता उत्पन्न हुई और अंततः इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) जैसे आतंकी संगठन का उदय हुआ। इसी प्रकार लीबिया में नाटो समर्थित हस्तक्षेप ने तत्कालीन शासन को तो समाप्त कर दिया, किंतु देश वर्षों तक गृहयुद्ध और अराजकता में फँसा रहा। सीरिया में विभिन्न वैश्विक और क्षेत्रीय शक्तियों की सैन्य भागीदारी ने संघर्ष को और जटिल बना दिया। इन घटनाओं ने सिद्ध कर दिया कि सैन्य हस्तक्षेप राजनीतिक समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो सकते। पश्चिम एशिया में बदलती भू-राजनीति का एक प्रमुख पहलू अमेरिका के प्रभाव में अपेक्षाकृत कमी और नई शक्तियों के उदय के रूप में सामने आया है। अमेरिका अब अपनी रणनीतिक प्राथमिकताओं को हिंद-प्रशांत क्षेत्र और चीन के उदय की ओर स्थानांतरित कर रहा है। परिणामस्वरूप पश्चिम एशिया में एक प्रकार का शक्ति शून्य उत्पन्न हुआ है, जिसे क्षेत्रीय और अन्य वैश्विक शक्तियाँ भरने का प्रयास कर रही हैं। चीन ने आर्थिक निवेश, व्यापारिक संबंधों और बेल्ट एंड रोड पहल के माध्यम से अपनी उपस्थिति मजबूत की है। विशेष रूप से सऊदी अरब और ईरान के बीच संबंधों की बहाली में चीन की मध्यस्थता ने यह संकेत दिया कि कूटनीतिक और आर्थिक साधन अब क्षेत्रीय स्थिरता के लिए सैन्य शक्ति से अधिक प्रभावी हो सकते हैं। रूस ने भी सीरिया में हस्तक्षेप के माध्यम से अपनी रणनीतिक वापसी दर्ज कराई और यह प्रदर्शित किया कि सीमित सैन्य उपस्थिति तथा सक्रिय कूटनीति के संयोजन से क्षेत्रीय प्रभाव स्थापित किया जा सकता है। इसी दौरान खाड़ी देशों की विदेश नीति में भी महत्वपूर्ण परिवर्तन देखने को मिले हैं। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर जैसे देशों ने आर्थिक विकास, निवेश और तकनीकी आधुनिकीकरण को प्राथमिकता देना शुरू किया है। सऊदी अरब का ह्यविजन 2030ह्न कार्यक्रम इस परिवर्तन का प्रतीक है, जिसका उद्देश्य तेल पर निर्भरता कम कर अर्थव्यवस्था का विविधीकरण करना है। इसके लिए क्षेत्रीय स्थिरता आवश्यक है। यही कारण है कि खाड़ी देशों ने ईरान के साथ तनाव कम करने तथा संवाद बढ़ाने की दिशा में कदम उठाए हैं। दूसरी ओर ईरान, जो लंबे समय तक अमेरिकी प्रतिबंधों और क्षेत्रीय अलगाव का सामना करता रहा, अब क्षेत्रीय शक्ति संतुलन का एक अनिवार्य घटक बनकर उभरा है। इराक, सीरिया, लेबनान और यमन में उसका प्रभाव इस तथ्य को रेखांकित करता है कि पश्चिम एशिया की किसी भी सुरक्षा व्यवस्था को ईरान को शामिल किए बिना सफल नहीं बनाया जा सकता।

वर्तमान परिस्थितियाँ इस बात को रेखांकित करती हैं कि पश्चिम एशिया को एक समावेशी क्षेत्रीय सुरक्षा ढाँचे की आवश्यकता है। अब तक क्षेत्रीय सुरक्षा मुख्यतः बाहरी शक्तियों के सैन्य गठबंधनों और शक्ति संतुलन की राजनीति पर आधारित रही है किंतु इससे स्थायी शांति स्थापित नहीं हो सकी। इराक, यमन, सीरिया और फिलिस्तीन के उदाहरण बताते हैं कि संघर्षों के मूल कारण राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक हैं, जिनका समाधान केवल सैन्य साधनों से संभव नहीं है। एक समावेशी सुरक्षा ढाँचा ऐसा होना चाहिए जिसमें खाड़ी सहयोग परिषद् (जीसीसी) के देश ईरान, इराक, तुर्किये, मिस्र तथा अन्य प्रमुख क्षेत्रीय ताकत समान रूप से भागीदारी करें। इसका उद्देश्य सामूहिक सुरक्षा, समुद्री मार्गों की रक्षा, आतंकवाद विरोधी सहयोग, ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा तथा विश्वास निर्माण होना चाहिए। यूरोप में शीतयुद्ध के बाद विकसित बहुपक्षीय सुरक्षा संस्थाओं की तरह पश्चिम एशिया को भी संवाद और सहयोग आधारित सुरक्षा व्यवस्था की आवश्यकता है।

पश्चिम एशिया में समुद्री सुरक्षा का महत्व भी निरंतर बढ़ रहा है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर जैसे समुद्री मार्ग वैश्विक ऊर्जा और व्यापार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। हाल के वर्षों में इन क्षेत्रों में बढ़े तनाव ने यह स्पष्ट किया है कि क्षेत्रीय संघर्ष केवल संबंधित देशों तक सीमित नहीं रहते बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करते हैं। तेल की कीमतों में वृद्धि, आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधा तथा व्यापारिक अनिश्चितता इसके प्रत्यक्ष परिणाम हैं। इसलिए किसी भी समावेशी सुरक्षा ढाँचे में समुद्री सुरक्षा को केंद्रीय स्थान देना आवश्यक है।

भारत के लिए पश्चिम एशिया का महत्व बहुआयामी है। भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं का एक बड़ा भाग इसी क्षेत्र से पूरा होता है। सऊदी अरब, इराक, संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत जैसे देश भारत के प्रमुख तेल आपूर्तिकर्ता हैं। यदि क्षेत्र में किसी प्रकार का सैन्य संघर्ष या समुद्री अवरोध उत्पन्न होता है तो उसका सीधा प्रभाव भारत की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता पर पड़ता है। इसके अतिरिक्त लगभग 90 लाख भारतीय नागरिक विभिन्न खाड़ी देशों में कार्यरत हैं। ये प्रवासी भारतीय

अयोध्या मंदिर चढ़ावा चोरी मामला : विरोधियों का नया शोर या चोरी का कुचक्र

जब यह प्रकरण न्यायालय में था, तब सभी पक्षों ने न्यायालय के निर्णय को स्वीकार करने की घोषणा की थी। रामभक्तों को आशा थी कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के बाद स्थिति सामान्य होगी और पूरा देश अपने आराध्य के निर्विवाद दर्शन कर सकेगा लेकिन ऐसा हुआ नहीं। जिस प्रकार भगवान राम का जीवन वनवास समाप्त होने के बाद भी पूर्णतः निरापद नहीं रहा, कुछ वैसी ही स्थिति इस जन्मस्थान मंदिर की भी रही।

- रमेश शर्मा

अयोध्या के विश्व प्रसिद्ध श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे की चोरी के नित नए आरोप सामने आ रहे हैं। चार ट्रस्ट पदाधिकारियों के विरुद्ध नामजद रिपोर्ट भी थाने में दर्ज कराई गई है। ट्रस्ट की पहल पर उत्तर प्रदेश सरकार ने जांच के लिए एसआईटी गठित कर दी है। जांच के बाद ही पता चलेगा कि वास्तव में चढ़ावे में चोरी हुई है अथवा यह श्रद्धालुओं की आस्था पर आघात करने का कोई कुचक्र है। इस कथित चढ़ावा चोरी का आरोप लगाने वालों में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और आम आदमी पार्टी के वे नेता सबसे अधिक मुखर हैं, जो मंदिर निर्माण अभियान के कभी समर्थक नहीं रहे।सामान्यतः ग्रहणकाल कुछ घंटों का होता है। शनिदेव की महादशा अधिकतम साढ़े सात वर्ष और राहु की महादशा अठारह वर्ष तक चलती है। लेकिन अयोध्या के श्रीराम जन्मस्थान मंदिर पर जो ग्रहण लगभग नौ सौ वर्ष पहले लगा था, उसकी पूर्ण मुक्ति आज भी नहीं हो पाई है। युग बदले, सत्ताएँ बदलीं, सल्तनत और अंग्रेजी शासन भी समाप्त हो गया लेकिन अयोध्या जन्मस्थान मंदिर को निशाने पर लेने की मानसिकता नहीं बदली। पहले सतत सैन्य आक्रमण हुए, लूटपाट और विध्वंस हुआ, फिर पुनर्निर्माण का संघर्ष चला। पीढ़ियाँ बीत गईं लेकिन रामभक्तों की जिजीविषा बनी रही। समय के साथ संघर्ष की शैली अवश्य बदली, किंतु रामजन्मभूमि मुक्ति का आंदोलन कभी रुका नहीं। सन् 1949 में इस संघर्ष का एक नया अध्याय जुड़ा। अपने जन्मस्थान पर रामलला स्वयं प्रकट हुए लेकिन तत्कालीन शासन का दृष्टिकोण प्रतिकूल रहा और मंदिर में विधिवत प्राण-प्रतिष्ठा नहीं हो सकी। संघर्ष ने नया स्वरूप धारण किया। न्यायालयों में याचिकाएँ दायर हुईं और देशभर से श्रद्धालु कारसेवक के रूप में अयोध्या पहुँचने लगे। गोलियाँ चलीं, रामभक्तों ने बलिदान दिए, विवादित ढाँचा ध्वस्त हुआ। अंततः 9 नवम्बर 2019 को सर्वोच्च न्यायालय का ऐतिहासिक निर्णय आया। 5 फरवरी 2020 को संसद की अनुमति से भारत सरकार द्वारा स्वतंत्र श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास का गठन किया गया। 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में भूमि-पूजन हुआ और 22 जनवरी 2024 को श्रीरामलला अपने जन्मस्थान पर विराजमान हो गए।

जब यह प्रकरण न्यायालय में था, तब सभी पक्षों ने न्यायालय के निर्णय को स्वीकार करने की घोषणा की थी। रामभक्तों को आशा थी कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के बाद स्थिति सामान्य होगी और पूरा देश अपने आराध्य के निर्विवाद दर्शन कर सकेगा लेकिन ऐसा हुआ नहीं। जिस प्रकार भगवान राम का जीवन वनवास समाप्त होने के बाद भी पूर्णतः निरापद नहीं रहा, कुछ वैसी ही स्थिति इस जन्मस्थान मंदिर की भी रही।

सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई के दौरान बार-बार नए-नए मुद्दे उठाए गए, जिससे निर्णय तक पहुँचने में वर्षों लग गए। संभवतः भारत के न्यायिक इतिहास में यह पहला ऐसा प्रकरण था, जिसमें निर्णय को विलंबित करने की याचिकाएँ भी दायर की गईं। सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय आने के बाद भी विवादों का क्रम थमा नहीं। राम मंदिर निर्माण की प्रक्रिया पर प्रश्न उठाए गए। ट्रस्ट के गठन की प्रक्रिया और चयनित नामों पर भी विवाद खड़ा करने का प्रयास हुआ। फिर भूमि-पूजन की विधि और मुख्य यजमान को लेकर प्रश्न उठाए गए। एक ओर भूमि-पूजन चल रहा था और दूसरी ओर मीडिया में मुहूर्त से लेकर मुख्य यजमान तक पर सवाल खड़े किए जा रहे थे। विवाद का अगला मुद्दा श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर कुछ शंकराचार्यों की अनुपस्थिति तथा तिथि-मुहूर्त को लेकर बनाया गया। इसके बाद ट्रस्ट द्वारा क्रय की गई भूमि के मूल्य को लेकर आरोप लगाए गए। लेकिन इन सब विवादों का रामभक्तों की श्रद्धा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। देश-विदेश से श्रद्धालुओं का ताँता लग गया। प्रतिदिन लाखों लोग अयोध्या पहुँचने लगे। अब तक 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालु अयोध्या जाकर श्रीरामलला के दर्शन कर चुके हैं। लेकिन कथित चढ़ावा चोरी का यह आरोप दोहरा प्रहार प्रतीत होता है- एक ओर मंदिर प्रबंधन की साख पर और दूसरी ओर श्रद्धालुओं की भावनाओं पर। आरोप है कि मंदिर में आने वाले चढ़ावे और श्रद्धालुओं की दानराशि में करोड़ों रुपये की चोरी हुई है। चढ़ावे में प्राप्त आभूषणों में भी अनियमितताओं के आरोप लगाए गए हैं। केवल आरोप ही नहीं लगाए गए बल्कि राम मंदिर न्यास के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी अनिल मिश्रा, मंदिर के व्यवस्थापक गोपाल राव तथा चंपत राय के पूर्व चालक रामशंकर दयाल उर्फ टिन्नू यादव के विरुद्ध नामजद रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई है। इन आरोपों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी संज्ञान लिया है और मंदिर प्रबंधन ने भी गंभीरता दिखाई है। मंदिर प्रशासन की पहल पर उत्तर प्रदेश सरकार ने तीन सदस्यीय एसआईटी का गठन किया। एसआईटी ने मंदिर परिसर में दानपेटियों के प्रबंधन, कर्मचारियों की आवाजाही, चढ़ावा प्रक्रिया तथा दान के अभिलेखों की लगातार तीन दिनों तक जांच की। एसआईटी अब उन लगभग पचास कर्मचारियों की संपत्ति की भी जांच कर रही है, जिन पर नोटों की चोरी का आरोप है। एसआईटी को सात दिनों में प्रारंभिक तथा पंद्रह दिनों में अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करनी है। यदि आरोप सही पाए गए तो चढ़ावे की चोरी के वास्तविक चेहरे सामने आएँगे और एसआईटी का प्रतिवेदन एफआईआर की दिशा में आगे बढ़ सकता है।आरोपों की सच्चाई तो एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट से ही स्पष्ट होगी लेकिन आरोपों की शैली और शिकायत का विवरण स्वयं कई प्रश्न खड़े करता है। सबसे पहले ह्यचढ़ावा चोरीह्न शब्द। ह्यचोरीह्न शब्द लंबे समय से राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का प्रमुख हिस्सा रहा है। पहले ह्यचौकीदार चोरह्न का नारा सामने आया, फिर ह्यवोट चोरीह्न, ह्यसीट चोरीह्न और ह्यचुनाव चोरीह्न जैसे शब्द प्रचलन में आए। अब ह्यचढ़ावा चोरीह्न शब्द सामने लाया गया है। मंदिर में चढ़ावा चोरी का आरोप भी उसी प्रकार उछाला जा रहा है, जैसे कुछ राजनीतिक दल लगातार वोट चोरी, चुनाव चोरी अथवा सीट चोरी के आरोप लगाते रहे हैं। इन दलों से जुड़े कई लोग इस कथित चढ़ावा चोरी प्रकरण में भी मुखर दिखाई दे रहे हैं।

आरोपों में दो और बातें आश्चर्यजनक हैं। पहली, ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय सहित चार पदाधिकारियों को सीधे निशाने पर लिया जाना और दूसरी, कथित चोरी की अनुमानित राशि तथा उसके तरीके का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया जाना।

महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी अनिल मिश्रा, गोपाल राव तथा टिन्नू यादव के विरुद्ध नामजद रिपोर्ट दर्ज होना कई प्रश्न उत्पन्न करता है। चंपत राय का जीवन संतस्वरूप माना जाता है। उन्होंने स्वयं को रामकार्य के लिए समर्पित कर दिया है। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी तथा मंदिर निर्माण के अन्य विरोधी समूहों के निशाने पर वे लंबे समय से रहे हैं लेकिन उनकी संकल्पशीलता कभी विचलित नहीं हुई। वे करोड़ों रामभक्तों के सम्मान और श्रद्धा के केंद्र हैं। ऐसे व्यक्ति का नाम चढ़ावा चोरी के आरोपों में जोड़ना सामान्य घटना नहीं माना जा सकता। आरोप-पत्र में चोरी के कथित तरीकों का विस्तार से उल्लेख किया जाना भी आश्चर्य का विषय है। आरोपों की सच्चाई शीघ्र ही सामने आ जाएगी, क्योंकि ट्रस्ट के पदाधिकारियों से लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तक इस शिकायत को गंभीरता से ले रहे हैं। यदि चढ़ावे में चोरी हुई है तो यह साधारण चोरी नहीं मानी जा सकती।

सोमनाथ मंदिर की अद्भुत कहानी, जब चंद्रमा को मिला श्राप

गुजरात के पश्चिम-दक्षिण छोर पर सागर के तट पर स्थित पाटन जिसे प्रभासपात्तन भी कहा जाता है में स्थित है सोमनाथ मंदिर। यहां भगवान शिव का स्वयंभू ज्योतिर्लिंग है। यह भारत के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रमुख है। स्कन्दपुराण के प्रभासखण्ड में सोमनाथ की महिमा निरूपित है। प्रभासपाटन की चार वस्तुएं प्रसिद्ध हैं- नदी, नारी, अश्व तथा भगवान सोमनाथ का दर्शन। स्कन्दपुराण के अनुसार, दक्ष प्रजापति की 27 पुत्रियां थीं। उन सबके पति चन्द्रमा थे। इनमें रोहिणी सर्वाधिक सुन्दरी होने के कारण चन्द्रमा को अत्यधिक प्रिय थी। चन्द्रमा सदैव उसी के साथ रहते थे। उपेक्षित पत्नियों ने चन्द्रमा की शिकायत दक्ष प्रजापति से की। दक्ष के समझाने पर चन्द्रमा ने समस्त पत्नियों के साथ एक-सा व्यवहार करने का वचन दिया, लेकिन उनकी रोहिणी के प्रति आसक्ति पूर्व की भांति बनी रही। वे

अन्य पत्नियों की उपेक्षा करते ही रहे। दुखी पत्नियां पुनः अपने पिता दक्ष के पास पहुंचीं और उन्हें अपनी व्यथा-कथा तथा उपेक्षा से परिचित कराया। दक्ष प्रजापति चन्द्रमा पर कुपित हो उठे। अत्यधिक क्रोधित होकर उन्होंने चंद्रमा को शाप दे दिया कि तू निस्तेज हो जाएगा और क्षयरोग से पीड़ित रहेगा।चन्द्रमा शक्तिहीन तथा निस्तेज होते गये। उनकी कांति मलिन हो गई। संसार में अंधेरा छाने लगा। चन्द्रमा की बीमारी से पशु, पक्षी, मनुष्य तथा देवता सभी चिंतित हो गये। देवताओं ने दक्ष से चन्द्रमा को शापमुक्त करने का निवेदन किया। दक्ष का क्रोध अभी तक शांत नहीं हुआ था, अतः उन्होंने चंद्रमा को शाप से मुक्त नहीं किया। निर्बल तथा कांतिहीन चन्द्रमा ने दक्ष से वचनभंग करने के लिए क्षमा मांगी। दक्ष ने उनसे कहा कि तुम प्रभासपाटन जाकर शिव की आराधना करो। केवल वे ही तुम्हें निरोग कर सकते हैं।

चन्द्रमा ने प्रभासपाटन जाकर अनेक वर्षों तक शिवजी की आराधना की। चन्द्रमा की तपस्या से प्रसन्न होकर शिवजी ने कहा कि मैं तुम्हें पूर्ण शक्ति तो नहीं दे सकता, लेकिन महीने में पंद्रह दिनों तक तुम नित्य बढ़ते रहोगे तथा शेष पंद्रह दिनों में तुम्हारी शक्ति का क्रमशः नित्य क्षय होता रहेगा। कृतज्ञता प्रकट करते हुए चन्द्रमा ने प्रभासपाटन में स्वर्ण का मंदिर निर्माण करने का संकल्प लिया। ब्रह्माजी ने प्रभासपाटन में भूमि कुरेदी तो वहां कागदी नींबू के आकार का एक शिवलिंग स्वयं प्रकट हो गया। उस स्थान को दूध तथा मधु से ढककर उप पर ब्रह्मशिला रखी गई। उस पर ब्रह्मा के निदेर्शों के अनुसार चन्द्रमा तथा उनकी प्रिय पत्नी रोहिणी ने शिवलिंग की स्थापना की। भागवत, महाभारत आदि में अनेक स्थानों पर प्रभासपाटन का उल्लेख है। यहीं प्राची, सरस्वती, कपिला तथा हिरण्या नदियों का संगम हुआ है। यहीं यदुवंशियों का पारस्परिक युद्ध द्वारा संहार हुआ था। इसके निकट ही बालक तीर्थ है। इस स्थान पर पेड़ के नीचे लेटे हुए श्रीकृष्ण के तलुवे में भील का प्राणघातक तीर लगा था। यह स्थान देहोत्सर्ग कहलाता है। इसी स्थान के निकट बलरामगुका है। श्रीकृष्ण के भाई शेषावतार बलराम अपना कार्य पूरा कर इसी गुफा द्वारा पाताललोक गये थे।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

न्यूज IN ब्रीफ

राज इंटरनेशनल स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया

कोडरमा : राज इंटरनेशनल स्कूल, कोडरमा में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को योग के महत्व तथा स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य श्री राहुल घोष के प्रेरणादायक संबोधन से हुआ। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मानसिक शांति, आत्म. अनुशासन और समग्र व्यक्तित्व विकास का माध्यम है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को नियमित रूप से योग अपनाने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के योग शिक्षक श्री शरद अग्रवाल के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, त्रिकोणासन तथा सूर्य नमस्कार जैसे अनेक योगासनों का प्रभावशाली प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित किया। इस अवसर पर विद्यालय के ईसीए प्रभारी सुश्री उजाला रानी एवं आदित्य राज के निर्देशन में ₹योग पोस्टर्स एवं योगासन प्रतियोगिता₹ का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा योग के महत्व को दर्शाते हुए आकर्षक पोस्टर तैयार किए। योगासन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दीया गया तथा विद्यालय परिवार ने संकल्प लिया कि योग को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाकर स्वस्थ एवं सकारात्मक समाज के निर्माण में अपना योगदान देंगे। इस सफल आयोजन ने विद्यार्थियों में स्वास्थ्य, अनुशासन और सकारात्मक सोच के प्रति नई जागरूकता उत्पन्न की तथा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के महत्व को सार्थक रूप से प्रस्तुत किया।

आधुनिक खेती का प्रशिक्षण लेकर साहिबगंज लौटे के 75 किसान

साहिबगंज : झारखंड सरकार के कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग द्वारा 16 से 18 जून 2026 तक रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित राज्यस्तरीय कृषि मेले में साहिबगंज जिले के 70 से अधिक किसानों ने भाग लेकर आधुनिक कृषि तकनीक, वैज्ञानिक खेती और अत्याधुनिक कृषि यंत्रों का प्रशिक्षण प्राप्त किया।तीन दिवसीय मेले से लौटे किसानों में नई तकनीकों को अपनाने और खेती में बेहतर प्रदर्शन करने को लेकर उत्साह देखा जा रहा है।वही मेले कार्यक्रम से लौटे जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का ने बताया कृषि विभाग,आत्मा के सौजन्य से जिले से लगभग 75 किसानों का दल रांची कृषि मेले में शामिल हुआ।मेले के दौरान किसानों को वैज्ञानिक खेती,उन्नत बीज,आधुनिक सिंचाई तकनीक,जैविक खेती,फसल प्रबंधन,कृषि आधारित स्वरोजगार तथा सरकार की विभिन्न कृषि योजनाओं से संबंधित विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।इसके अलावा विभिन्न कंपनियों और कृषि संस्थानों द्वारा प्रदर्शित अत्याधुनिक कृषि मशीनों एवं उपकरणों की जानकारी भी किसानों को दी गई।किसानों ने आधुनिक कृषि यंत्रों की कार्यप्रणाली,उनके उपयोग और खेती में होने वाले लाभों को प्रत्यक्ष रूप से देखा और समझा।किसानों ने ड्रोन तकनीक,उन्नत बीज प्रबंधन,कम लागत में अधिक उत्पादन देने वाली तकनीकों तथा आधुनिक कृषि उपकरणों के उपयोग के बारे में विशेष जानकारी हासिल की।मेले से लौटे किसान खुशीलाल पंडित का कहना है कि यहां प्राप्त ज्ञान और प्रशिक्षण से वे अपने खेतों में नई तकनीकों को अपनाकर बेहतर उत्पादन,कम लागत और अधिक आय हासिल करने का प्रयास करेंगे।साथ ही अन्य किसानों को भी आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती के प्रति जागरूक करेंगे।

प्लस टू हाई स्कूल बरकट्ठा में मासिक गुरु गोष्ठी आयोजित

बरकट्ठा : प्रखंड के प्लस टू हाई स्कूल बरकट्ठा में शुक्रवार को मासिक गुरु गोष्ठी का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता अजप्ता प्रखंड अध्यक्ष शशिभूषण प्रसाद और संचालन सीआरपी आरके पांडेय ने किया। बैठक में संकुल अंतर्गत प्रावि एवं एवं मवि के हेडमास्टर, प्रभारी शिक्षक तथा संकुल संसाधन केंद्र समन्वयक मौजूद थे। गोष्ठी में शैक्षणिक गुणवत्ता संवर्धन एवं एफएलएन के लक्ष्यों की प्राप्त करने विषयों पर गहन विचार विमर्श किया गया। सर्वसम्मति से सत्र 26/27 में कक्षा व कोटिवार छात्र संख्या, आधार एवं खाता खुलवाना, अपग्रेड प्रतिवेदन, यूडाइस अपडेट एवं नामांकन, आपार आईडी जेनेरेशन, नामांकन के विरुद्ध अच्छादन, पोषण वाटिका, दवा वितरण एवं स्वास्थ्य जांच से संबंधित प्रतिवेदन की समीक्षा की गई। साथ ही एसएमसी के पुनर्गठन, प्रयास, रुआर, एनआईएलपी साक्षरता कार्यक्रम, मध्याह्न भोजन से संबंधित बिंदुओं पर चर्चा की गई। मौके पर सीआरपी आरके पांडेय ने उपस्थित शिक्षकों से विभागीय कार्यों को ससमय निष्पादन करने का आग्रह किया। वहीं शिक्षक शशिभूषण प्रसाद ने ऑनलाइन कार्यों में आ रही समस्याओं के संबंध में जानकारी दी और कहा कि सभी शिक्षक अपने कर्तव्य एवं दायित्वों को ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करें।
बैठक में शिक्षक यमुना साव, रामचंद्र प्रसाद, एमडीएम ऑपरेटर संजय प्रसाद, सहायक अध्यापक संघ सचिव सुकर ठाकुर, कंप्यूटर ऑपरेटर विनय कुमार, राजेन्द्र प्रसाद, गायत्री कुमारी, बीरेंद्र प्रसाद यादव, दिनेश कुमार यादव, रामशरण यादव, लालमनी प्रसाद, जय प्रकाश प्रसाद, कौलेश्वर कुमार, अजय कुमार पांडेय, निरंजन कुमार वर्णवाल, प्रकाश तूरी, गणेश प्रसाद, संजय कुमार, बब्लू कुमार, मो निजामुद्दीन, परमेश्वर प्रसाद, वीरेंद्र ठाकुर, गुलाब प्रसाद समेत आदि शिक्षक उपस्थित थे।

डीएवी में एनडी ग्रोवर मेमोरियल सुपर परफॉर्मर्स फेलिसिटेशन समारोह आयोजित

हजारीबाग : डीएवी पब्लिक स्कूल, हजारीबाग में एनडी ग्रोवर मेमोरियल सुपर परफॉर्मर्स फेलिसिटेशन समारोह 2026 का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में सत्र 2025-26 की कक्षा 10 एवं 12 बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों तथा जेईई मेन, जेईई एडवांस्ड और नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल छात्रों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक अमन कुमार थे। दीप प्रज्ज्वलन और स्वर्गीय एन.डी. ग्रोवर को श्रद्धांजलि अर्पित कर समारोह की शुरूआत हुई।

लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष कर रहे हैं राहुल गांधी : बरकतुल्लाह खान

संवाददाता

साहिबगंज : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के 56वें जन्मदिवस के अवसर पर शुक्रवार को जिला कांग्रेस कार्यालय साहिबगंज में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकतुल्लाह खान की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम को कांग्रेस कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों ने उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया।इस अवसर पर उपस्थित नेताओं एवं कार्यकताओं ने केक काटकर और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर राहुल गांधी के उत्तम स्वास्थ्य,दीघार्यु एवं सफल राजनीतिक जीवन की कामना की।साथ ही पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।कार्यक्रम में राहुल गांधी द्वारा लोकतंत्र संविधान सामाजिक न्याय देश के वंचित,शोषित व कमजोर वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए किए जा रहे संघर्ष एवं योगदान पर विस्तार से चर्चा की गई।जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकतुल्लाह खान ने अपने संबोधन में कहा कि राहुल गांधी देश के युवाओं,किसानों,मजदूरों आम जनता की आवाज बनकर लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का जीवन जनसेवा सामाजिक न्याय और देश की एकता-अखंडता को मजबूत करने के प्रति समर्पित रहा है।उनके विचार और संघर्ष करोड़ों देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।श्री खान ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता राहुल गांधी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और सामाजिक सद्भाव,लोकतांत्रिक मूल्यों एवं जनहित के मुद्दों को और मजबूती प्रदान करने के लिए संकल्पबद्ध हैं।कार्यक्रम का समापन राहुल गांधी के नेतृत्व में देश में सामाजिक न्याय,भाईचारा,लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं जनकल्याण के मूल्यों को सशक्त बनाने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।इस अवसर पर बास्कीनाथ यादव,मो कलीमुद्दीन,उमेश पांडे, सरफराज आलम रामसिंगार ओझा,मो सलाउद्दीन,उमेश तिवारी,गणेश साहा,नेहाल अख्तर,थॉमस रॉबर्ट, मजहर खान,सतीश पासवान,मो रिजवान अहमद,मो नौसाद,मो रियाज,मो मिराज,सत्यम यादव सहित कांग्रेस कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में समर्थक उपस्थित थे।

ध्वजाधारी धाम आश्रम में 21 जून को 12वीं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : 12वीं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2026 दिन रविवार को सुबह 5:00 बजे से 6:00 बजे तक ध्वजाधारी धाम आश्रम में योग शिविर होगा यह शिविर का अगुवाई और मुख्य अतिथि श्री श्री 108 महामंडलेश्वर सुखदेव जी महाराज होंगे और पतंजलि परिवार युवा भारत पूरा सहयोग करेंगे और प्रशिक्षक योग क्रांतिकारी योगाचार्या सुषमा सुमन योग गुरु प्रदीप कुमार सुमन रहेंगे इस कार्यक्रम में व्यवस्थापक आचार्य चंदन जी करेंगे महामंडलेश्वर सुखदेव जी महाराज कोडरमा जिला के सभी योगी भाई-बहन को बोले की कल 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के शुभ अवसर पर सभी घर से बाहर निकाल कर योग करें और स्वस्थ रहें यह हमारे देश के ऋषि मुनि योग करके स्वस्थ रहते थे और लगभग 200 वर्षों तक जिंदगी जीते थे हमारे शिक्षा पद्धति को अंग्रेजों और मुगलों ने नष्ट कर दिया और यह परंपरा योग करना सभी हिंदू सनातन लोग के योगी भाई-बहन भूल गए थे आज स्वामी रामदेव महाराज जी इस योग को घर-घर पहुंचने का काम कर रहे हैं बहुत सराहनीय हैं साथ में भारत का प्रधानमंत्री पूरा विश्व में योग का महत्व बताएं आज पूरे विश्व अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2026 को मना रहे हैं और स्वस्थ लाभ ले रहे हैं , योगाचार्या सुषमा सुमन ने बताई कि इस बार योग शिविर बहुत बड़ा महत्व है की सनातन धर्मस्थल पर योग शिविर का आयोजन हो रही है ध्वजाधारी धाम में और इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री श्री 108 महामंडलेश्वर सुखदेव जी महाराज होंगे और इस स्थल पर हरे भरे पेड़ पौधे से फूल शुद्ध ऑक्सीजन भी मिलेगा और योग शिविर का समय भी 5:00 बजे से 6:00 बजे तक रहेगा स्वस्थ ही जीवन है और स्वामी रामदेव महाराज जी ने बताएं कि योग और खान-पान सही रखने से लगभग एक व्यक्ति का आयु 100 से 150 वर्ष होगी इसलिए सभी ध्वजाधारी धाम पहुंचे और भोलेनाथ के दरबार पर योग शिविर का आनंद भी लें और आशीर्वाद भी प्राप्त करें योग गुरु प्रदीप कुमार सुमन ने बताया कि इस कार्यक्रम में पतंजलि परिवार पूरा सहयोग करेंगे साथ में योग शिक्षक भी शिविर में रहेंगे और कोडरमा जिला में सभी प्रखंड पंचायत गांव में भी योग शिविर हो रही है सभी समय पर पहुंचे सुबह 5:00 से 6:00 बजे तक पहुंचे इस बार भोलेनाथ के दरबार में योग की गंगा बाहेगी ,करें योग रहे निरोग।

किसानों को कृषि ऋण एवं मृदा सुरक्षा के प्रति किया गया जागरूक

संवाददाता

साहिबगंज : किसानों को सुलभ कृषि ऋण उपलब्ध कराने तथा खेतों को विभिन्न प्रकार की क्षति से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से राजमहल प्रखंड सभागार में किसान क्रेडिट कार्ड खेत बचाओ अभियान विषयक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन प्रखंड विकास पदाधिकारी राजमहल मो0 यूसुफ की अध्यक्षता में किया गया।कार्यक्रम में जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक साहिबगंज प्रखंड कृषि पदाधिकारी प्रखंड तकनीकी प्रबंधक, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक, जेएसएलपीएस कृषि समन्वयक निकेश कुमार सहित अन्य कृषि एवं बैंकिंग विभाग के पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत कृषि कार्यों हेतु कम ब्याज दर पर उपलब्ध ऋण आवेदन प्रक्रिया, पात्रता एवं इसके लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही खेत बचाओ अभियानह्व के तहत फसलों को कीट व रोगों से बचाव, आधुनिक कृषि तकनीकों के उपयोग, समय पर कृषि प्रबंधन तथा प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम करने के उपायों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। अधिकारियों ने किसानों से सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित किसानों ने विभिन्न योजनाओं और कृषि संबंधी विषयों पर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया एवं जागरूकता कार्यक्रम की सराहना की।

जैप 9 में लगाया गया स्वास्थ शिविर में जवानों की हुई जांच

संवाददाता

साहिबगंज : जैप-9 में साहिबगंज शहरी के चिकित्सक पदाधिकारी डॉ. अमित कुमार के नेतृत्व में शुक्रवार एक विस्तृत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।इसमें जैप-9के जवानों का जांच व जीवन रक्षक दवाई वितरित की गई।इसमें सभी जवानों का शुगर,ब्लड प्रेशर और मलेरिया का जांच किया गया।जैप-9 के डीएसपी अजय केरकेट्टा ने स्वास्थ्य विभाग को धन्यवाद देकर शिविर का समापन किया।ऐसे शिविर महीने में दो बार लगाने का आग्रह भी किया।शिविर में चिकित्सक पदाधिकरी के अलावा फार्मासिस्ट मोनू मैथ्यू मुर्मू,लैब टेक्नीशियन अमित यादव,एएनएम भवानी कुमारी साहा,एएनएम खुशबू कुमारी एमटीएस दिनेश मरांडी समेत अन्य थे।

उधवा में कांग्रेसियों ने केक काटकर और फल बांटकर मनाई राहुल गांधी का जन्मदिन

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : प्रखंड कांग्रेस कार्यालय मोहर्रम लॉज में कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष मो० बदरूद्दोजा जी के अध्यक्षता में कांग्रेस नेता सह लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष आदरणीय राहुल गांधी का 56 वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया।साथ ही संविधान रक्षा का संक्लप लिया गया।साहिबगंज युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष तनवीर राजा नेतृत्व में उधवा अस्पताल में मरीजों के बीच फल वितरण किया गया।मौके पर तनवीर राजा ने कहा कि राहुल जी भारत के गरीब,हाशिए पर पड़े और पिछड़े नागरिकों के निर्विवाद नेता हैं।बेजुबानों की आवाज,कमजोरों के लिए ताकत का स्तंभ,हमारे संविधान के संरक्षक, सर्वोत्कृष्ट न्याय योद्धा और भारत के गौरवशाली भविष्य की सबसे उज्ज्वल उम्मीद है।उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की संविधान में बताए गए मूल्यों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता है।तथा सबसे खराब गालियों का सामना किया है,हर तरफ से हमलों का सामना किया, लेकिन वे हमेशा अपने सिद्धांतों पर अडिग रहे और कभी भी अपने सिद्धांतों से विचलित नहीं हुए,विपक्ष चाहे उन्हें कितना भी उपहास या अपमान क्यों न सहना पड़े।आज हमारे देश में उनके रूप में एक विवेकशील रक्षक और एक ऐसा नेता है,जिसका आजीवन मिशन हमारे देश को हमारे सभी सपनों का समावेशी,प्रगतिशील और समृद्ध राष्ट्र बनाना है।इस दौरान युवा कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष कृष्ण कुमार,जिला महासचिव सह प्रखंड प्रभारी ऐनुल हक अंसारी,जिला सचिव हाफिज सईद अख्तर,जिला सचिव रब्बानी सेख,जिला सोशल मीडिया कोऑर्डिनेटर आरिफ आलम,मंडल अध्यक्ष मो मुर्सालिम,गुफरान आलम, गुलाम सरवर,मोतीउर रहमान,मुबारक हुसैन,जमील अख्तर,राणा खान, जहांगीर आलम,आदि उपस्थित थे।

कांग्रेसियों ने राहुल गांधी का 56वां जन्मदिवस जनकल्याण कार्यक्रम के साथ मनाया

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के माननीय अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के निदेर्शानुसार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता के 56वें जन्मदिवस के अवसर पर बरहरवा प्रखंड मुख्यालय एवं बरहरवा-राजमहल रोड स्थित काँग्रेस कार्यालय में संयुक्त रूप से जनहित व जनउपयोगी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष रंजीत टुडू ने किया।इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों ने राहुल गांधी के चित्र के समक्ष केक काटकर उनका जन्मदिवस उत्साहपूर्वक मनाया।उपस्थित कार्यकताओं ने एक-दूसरे को केक एवं मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया तथा राहुल गांधी के दीघार्यु, स्वस्थ एवं सफल जीवन की कामना की।जन्मदिवस समारोह के दौरान कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकताओं ने राहुल गांधी के सामाजिक न्याय,लोकतांत्रिक मूल्यों एवं जनसेवा के प्रति समर्पण को याद करते हुए उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।वक्ताओं ने कहा कि राहुल गांधी लगातार देश के गरीबों किसानों मजदूरों,युवाओं महिलाओं व वंचित वर्गों की आवाज को मजबूती से उठाते रहे हैं और लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्षरत हैं।जन्मदिवस कार्यक्रम के उपरांत कार्यकताओं द्वारा सामुदायिक सेवा की भावना के तहत बरहरवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर अस्पताल में भर्ती मरीजों के बीच फल वितरण किया गया।इस दौरान मरीजों एवं उनके परिजनों का कुशलक्षेम जाना गया। उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की गई।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान उपस्थित रहे।उन्होंने राहुल गांधी को जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जनसेवा,सामाजिक समरसता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए उनका संघर्ष देश के युवाओं एवं कार्यकताओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है।उन्होंने कार्यकताओं से जनहित के कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने एवं संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया।इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी के अनेक पदाधिकारीगण कार्यकर्तागण व स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

फुटबॉल प्रीमियर लीग 2026-27 का कार्यक्रम घोषित,

आर्सेनल और कोवेंट्री के बीच होगा उद्घाटन मुकाबला

एजेंसी

लंदन : फुटबॉल प्रीमियर लीग 2026-27 सीजन के कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है। मौजूदा चैंपियन आर्सेनल अपने खिताब बचाव अभियान की शुरूआत घरेलू मैदान पर नवप्रवेशी कोवेंट्री के खिलाफ करेगी। यह मुकाबला 21 अगस्त को खेला जाएगा और इसी के साथ नए सीजन का आगाज होगा। दूसरी ओर, मैनचेस्टर सिटी नए युग की शुरूआत करेगी। पिछले दस वर्षों में पहली बार टीम

पेप गार्डियोला के बिना मैदान पर उतरेगी और अपने पहले मैच में बोर्नमाउथ की मेजबानी करेगी। मैनचेस्टर यूनाइटेड को अपने शुरूआती मुकाबले में नवप्रवेशी हल सिटी के मैदान पर चुनौती का सामना करना होगा, जबकि लिवरपूल अपना पहला मैच न्यूकैसल के खिलाफ खेलेगा।

फुटबॉल प्रीमियर लीग प्रशासन ने इस बार सीजन को पिछले वर्ष की तुलना में एक सप्ताह बाद शुरू करने का निर्णय लिया है, ताकि फीफा विश्व कप के बाद खिलाड़ियों को पर्याप्त आराम और रिकवरी का समय मिल सके।

सीजन का अंतिम दौर 30 मई 2027 (रविवार) को खेला जाएगा, जो 5 जून 2027 को मैड्रिड में होने वाले यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल से छह दिन पहले समाप्त होगा।

इससे पहले नए सत्र का पारंपरिक उद्घाटन मुकाबला कम्युनिटी शील्ड के रूप में खेला जाएगा, जिसमें प्रीमियर लीग विजेता आर्सेनल और एफए कप विजेता मैनचेस्टर सिटी आमने-सामने होंगे। यह मुकाबला 16 अगस्त को प्रिंसिपैलिटी स्टेडियम, कार्डिफ में होगा।

डीडीसीए महिला टी-20 लीग में तनु चौहान का धमाकेदार प्रदर्शन, जड़े लगातार चार नाबाद शतक

एजेंसी

नई दिल्ली : डीडीसीए महिला टी-20 लीग में एसबी यूथ क्रिकेट क्लब (महिला) की सलामी बल्लेबाज तनु चौहान ने अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान आकर्षित किया है। 23 वर्षीय बल्लेबाज ने लगातार चार मैचों में चार शतक जड़ते हुए अब तक टूर्नामेंट में एक बार भी अपना विकेट नहीं गंवाया है। तनु चौहान ने अब तक खेली गई चार पारियों में कुल 492 रन बनाए हैं और सभी पारियों में नाबाद लौटते हुए अपनी टीम को प्रतियोगिता में मजबूत शुरूआत दिलाई है। तनु ने अपने अभियान की शुरूआत

एसेक्स फार्म्स (महिला) के खिलाफ 78 गेंदों पर नाबाद 149 रन की विस्फोटक पारी से की। इसके बाद उन्होंने सिटी जिमखाना (महिला) के खिलाफ 76 गेंदों में नाबाद 108 रन बनाए। उनका शानदार फॉर्म यहीं नहीं रुका और तीसरे मुकाबले में रघुबीर विलोजर्स क्रिकेट क्लब (महिला) के खिलाफ 77 गेंदों पर नाबाद 124 रन की पारी खेली। चौथे मैच में उन्होंने राजिंदर नगर कोल्ट्स क्रिकेट क्लब (महिला) के खिलाफ 75 गेंदों पर नाबाद 111 रन बनाकर लगातार चौथा शतक पूरा किया। अपनी टीम एसबी यूथ क्रिकेट क्लब (महिला) के लिए खेलते हुए तनु ने हर मैच में आक्रामक बल्लेबाजी और निरंतरता का शानदार उदाहरण पेश किया है। उनकी इन पारियों ने उन्हें मौजूदा सत्र की सबसे प्रभावशाली बल्लेबाजों में शामिल कर दिया है।

आईओए के दूसरे एथलीट्स फोरम में हुई स्वच्छ खेल अभियान की शुरूआत

नई दिल्ली : भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने शुक्रवार को मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में दूसरे एथलीट्स फोरम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में देश के 30 से अधिक राष्ट्रीय खेल महासंघों से जुड़े 75 से अधिक वर्तमान और पूर्व खिलाड़ियों ने भाग लिया। यह मंच खिलाड़ियों के लिए सीखने, संवाद और विकास के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित किया गया, जिसमें खेल विशेषज्ञों, खिलाड़ी प्रतिनिधियों और भारतीय खेल जगत के वरिष्ठ सदस्यों ने भागीदारी की। इस अवसर पर स्वच्छ खेल अभियान (क्लीन स्पोर्ट कैंपेन) की भी शुरूआत की गई। यह राष्ट्रीय स्तर का एंटी-डोपिंग जागरूकता अभियान है, जिसे भारतीय ओलंपिक संघ और नीरज चोपड़ा फाउंडेशन के सहयोग से लागू किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य खिलाड़ियों के बीच जागरूकता बढ़ाना, शिक्षा उपलब्ध कराना और उन्हें खेलों में सही निर्णय लेने के लिए प्रेरित करना है। अभियान के अंतर्गत खिलाड़ियों की भागीदारी आधारित कार्यक्रम, डिजिटल शिक्षण सामग्री, कार्यशालाएं और देश के प्रमुख खेल केंद्रों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। एथलीट्स फोरम के दौरान खिलाड़ियों के लिए कई विशेषज्ञ सत्र भी आयोजित किए गए। इनमें आत्म-विकास और व्यक्तिगत पहचान निर्माण, खेल करियर की संरचित योजना, प्रोफाइल निर्माण तथा नेटवर्किंग कौशल जैसे विषय शामिल रहे।

काजल अग्रवाल ने अपनी दमदार पोस्ट से छेड़ी अहम बहस

देशभर में फूड एडल्टरेशन यानी खाद्य मिलावट को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच फ़िल्म 'द इंडिया स्टोरी' की अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने एक बार फिर इस गंभीर मुद्दे की ओर सभी का ध्यान खींचा है। हाल ही में अपनी सोशल मीडिया स्टोरी के जरिए उन्होंने भारतीय आमों के निर्यात पर कीटनाशक अवशेष और क्वारंटीन संबंधी चिंताओं को लेकर सामने आई रिपोर्ट्स साझा की है। इस मुद्दे को उन्होंने अपनी आगामी फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' से जोड़ते हुए लिखा है, 'दुर्भाग्य से यह भारत की कहानी है, ये 'द इंडिया स्टोरी' है।' फिलहाल इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर चर्चा तेज हो गई है, क्योंकि फिल्म की कहानी भी खाद्य मिलावट जैसे गंभीर विषय और उसके सार्वजनिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले खतरनाक प्रभावों के इर्द-गिर्द घूमती है।

अपूर्वा मखीजा ने कॉम्प्रोमाइज को लेकर ये क्या कह दिया?

'दुबई का शेख 15 करोड़ देगा तो सोने को तैयार हूं...

सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर और एक्ट्रेस अपूर्वा मखीजा अपने बेबाक बयानों को लेकर हमेशा ही चर्चा में बनी रहती हैं. कई बार तो अपूर्वा ने ऐसे बयान दिए हैं, जिसको लेकर वो विवादों में भी फंसी है. अब उनका एक पुराना बयान वायरल हो रहा है, जिसकी वजह से उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है. सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रेबल किड उर्फ अपूर्वा मखीजा का विवादों से गहरा नाता रहा है. उनके बयान और बेबाक अंदाज अक्सर विवाद पैदा करते हैं. अभी हाल ही में जहां 370 बिरयानी विवाद थमा ही है. इस बीच अपूर्वा का एक पुराना वीडियो वायरल हो गया है. सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रेबल किड उर्फ अपूर्वा मखीजा का विवादों से गहरा नाता रहा है. उनके बयान और बेबाक अंदाज अक्सर विवाद पैदा करते हैं. अभी हाल ही में जहां 370 बिरयानी विवाद थमा ही है. इस बीच अपूर्वा का एक पुराना वीडियो वायरल हो गया है. इस वीडियो में अपूर्वा ने जो बात कही है उसने सोशल मीडिया पर एक नई बहस छेड़ दी है. अपूर्वा को भी काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है. दरअसल, अपूर्वा ने इंडस्ट्री में कॉम्प्रोमाइज को लेकर ऐसी बात कह दी है. जिसे सुन हर कोई हैरान रह गया है. इस वीडियो में अपूर्वा ने जो बात कही है उसने सोशल मीडिया पर एक नई बहस छेड़ दी है. अपूर्वा को भी काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है. दरअसल, अपूर्वा ने इंडस्ट्री में कॉम्प्रोमाइज को लेकर ऐसी बात कह दी है. जिसे सुन हर कोई हैरान रह गया है. अपूर्वा वीडियो में कहती हैं कि 'मैं दो रुपये के रोल के लिए किसी के साथ नहीं सोऊंगी. मुझे माफ करें. अगर कोई दुबई का शेख 10-15 करोड़ रुपये फेंककर मारेगा तो शायद सोच सकती हूं, लेकिन किसी रोल के लिए नहीं.' अपूर्वा के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर भी लोग अपने-अपने रिएक्शन दे रहे हैं और उनकी आचोलना कर रहे हैं. बता दें कि इससे पहले अपूर्वा का कलावा काटते हुए एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसे लेकर भी उन्हें काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था. इस वीडियो में अपूर्वा अपने हाथ का कलावा काटती हुई नजर आई थीं. जिसमें वो कहती हैं कि -मेरे पंडित जी ने बोला था ये वाला धागा मत काटना. लेकिन अगर मेरे और एस्थेटिक पिक्चर के बीच कोई आ सकता है तो वो सिर्फ मैं हूं. इस वीडियो में अपूर्वा अपने हाथ का कलावा काटती हुई नजर आई थीं. जिसमें वो कहती हैं कि -मेरे पंडित जी ने बोला था ये वाला धागा मत काटना. लेकिन अगर मेरे और एस्थेटिक पिक्चर के बीच कोई आ सकता है तो वो सिर्फ मैं हूं.

ओरी बने करोड़ों का ब्रांड

ओरी के बारे में हर कोई जानना चाहता है कि उनकी कमाई का जरिया क्या है और वह कहां-कहां से कितनी कमाई करते हैं। ओरी ने आज खुद को करोड़ों का ब्रांड बना लिया है। उन्होंने बताया कि एक रील से 76 लाख रुपये की कमाई की है। साथ ही बताया कि पार्टियों से लेकर शादियों तक के लिए वह कितना चार्ज करते हैं। 'बिग बॉस 17' और 'खतरों के खिलाड़ी 15' में नजर आए सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर ओरी अकसर ही इस बात को लेकर चर्चा में रहे हैं कि उनकी कमाई का जरिया क्या है, वह कहां से कमाते हैं और उनका गुजारा कैसे चलता है। सोशल मीडिया से लेकर पेज-3 पार्टीज और लगभग कई हाई प्रोफाइल पार्टियों का हिस्सा रहे ओरी ने अब खुद बताया है कि वह कहां-कहां से कमाई करते हैं और पिछले महीने कितना पैसा कमाया। ओरी ने दावा किया है कि उन्होंने पिछले साल एक रील से 76 लाख रुपये कमाए थे। इससे यूजर्स भी हैरान रह गए हैं। बीते कुछ सालों में ओरी ने खुद को एक ब्रांड बना लिया है, एक ऐसा ब्रांड जिससे वह हर महीने करोड़ों की कमाई रहे हैं। हर सेलिब्रिटी की पार्टी से लेकर वेकेशन तक पर ओरी नजर आते हैं। इंस्टाग्राम पर शायद ही कोई ऐसा यूजर होगा, जिसकी फीड पर ओरी नजर नहीं आते होंगे। अब जब ओरी ने एक रील से 76 लाख रुपये कमाए हैं, तो अंदाजा लगा लीजिए कि महीने भर में ऐसी कई रील्स से वह न जाने कितनी कमाई करते होंगे।

1 रील से ?76 लाख की कमाई, बताया पार्टी, शादी और लंच की कितनी लेते हैं फीस

'पत्नी ने साथ सोने से मना कर दिया' : अक्षय ओबेरॉय

कभी-कभी एक्टर्स ऐसा रोल अदा कर देते हैं, जिसे देखकर उनके घरवाले भी सकपका जाते हैं। कुछ ऐसा ही हुआ था, विवेक ओबेरॉय के कजिन ब्रदर और एक्टर अक्षय ओबेरॉय के साथ भी। अक्षय ने 2020 में क्राइम ड्रामा सीरीज में ऐसा रोल अदा किया था, जिससे किसी को भी नफरत हो जाए। उनका किरदार देखकर पत्नी तो इतना ज्यादा घबरा गई थीं कि उन्होंने अभिनेता ने साथ कई हफ्तों तक एक बैड पर सोने से भी इनकार कर दिया था। अक्षय ओबेरॉय की जिस सीरीज को देखकर पत्नी बुरी तरह से डरी थीं, उसका टाइटल 'फ्लैश' था, जो साल 2020 में रिलीज हुई थी। 8 एपिसोड की इस सीरीज की कहानी सिद्धार्थ आनंद ने लिखी थी, जिन्होंने इसे प्रोड्यूस भी किया था।

अक्षय जो जल्द ही शाह रुख खान की 'किंग' में नजर आएंगे, उन्होंने सिद्धार्थ आनंद को अपना एंजल बताते हुए मिनी सीरीज 'फ्लैश' का किस्सा बताया, जिसमें वह एक खूंखार आदमी बने थे। बातचीत करते हुए जैसे ही यह कहा कि क्राइम ड्रामा शो 'फ्लैश' देखना उस समय पर बहुत मुश्किल था, तो तुरंत जवाब में अक्षय बोले, 'हां...इसके लिए मैं आपको बिल्कुल भी दोष नहीं दूंगा।

क्या है 'फ्लैश' की कहानी?

फ्लैश की कहानी मानव तस्करी के काले कारोबार के इर्द-गिर्द घूम्तो है, जिसमें जोया नाम की एक लड़की को किडनैप कर लिया जाता है। मुंबई से गायब हुई बेटी की गुमशुदगी की रिपोर्ट जोया के माता-पिता पुलिस स्टेशन में लिखवाते हैं।

इस केस को संभालने की जिम्मेदारी एसीपी राधा नौटियाल के कंधों पर आती है, जैसे-जैसे राधा जोया की तलाश में आगे बढ़ती है, वैसे-वैसे उसे यह समझ आता है कि यह सिर्फ फिरौती के बारे में नहीं है, बालकु जोया को एक बड़े इंटरनेशनल सेक्स रैकेट के जाल में धकेला गया है। इस वेब सीरीज में अक्षय ओबेरॉय ने मानव तस्करी धंधे और गैंग के मास्टरमाइंड तजेंद्र सिंह 'उर्फ' खूंखार 'ताजि' का किरदार अदा किया है, जो बहुत ही क्रूर और साइकोपैथ है।

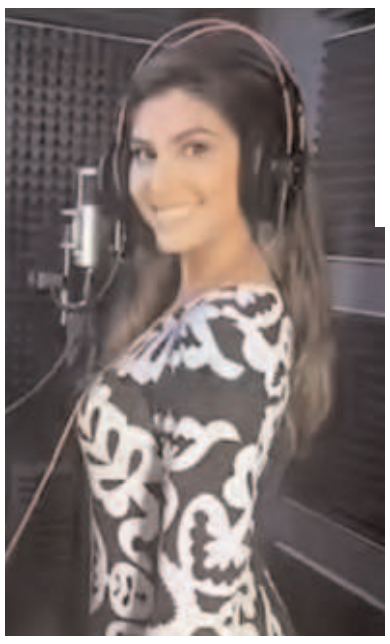

अभिनेत्री एलनाज नोरौजी ने गाने 'हुआ' से किया सिंगिंग डेब्यू

अभिनेत्री एलनाज नोरौजी ने अपने करियर का एक नया अध्याय शुरू किया है। उन्होंने गाने 'हुआ' के जरिए हिंदी संगीत की दुनिया में कदम रखा है। इस गाने में उन्होंने मशहूर सिंगर जुबिन नौटियाल के साथ काम किया है। इस बीच, उन्होंने इस नए सफर को लेकर बात की है और जुबिन के साथ काम करने के अनुभव के बारे में खुलकर बताया। एलनाज नोरौजी ने कहा, ''संगीत हमेशा से मेरे दिल के बहुत करीब रहा है, लेकिन अब जाकर मुझे इसे पेशेवर रूप से अपनाने का मौका मिला है। जुबिन नौटियाल जैसे अनुभवी और लोकप्रिय गायक के साथ अपने पहले हिंदी गाने की शुरुआत करना मेरे लिए बेहद खास अनुभव है। जब किसी कलाकार का पहला कदम ही इतने बड़े और सम्मानित संगीतकार के साथ जुड़ता है, तो वह अनुभव यादगार बन जाता है। यह मेरे लिए नई रचनात्मक यात्रा की शुरुआत है।'' गाने 'हुआ' के बारे में बात करते हुए एलनाज ने इसे अपने करियर का एक अहम मोड़ बताया। उन्होंने कहा, 'जीवन में कुछ ऐसे पल आते हैं, जो हमेशा याद रह जाते हैं और यह गाना उन्हीं में से एक है। यह सिर्फ एक म्यूजिक प्रोजेक्ट नहीं है, बल्कि मेरे दिल के बहुत करीब एक सपना है, जिसे मैंने लंबे समय तक संजोकर रखा था।

दीया मिर्जा ने क्लाइमेट चेंज के लिए

पुरुषों को ठहराया जिम्मेदार

एक्टर और यूनाइटेड नेशंस एनवायरनमेंट प्रोग्राम की गुडविल एंबेसडर दीया मिर्जा, पितृसत्तात्मक सत्ता के ढांचे को ग्लोबल क्लाइमेच के नुकसान से जोड़ने वाले अपने विवादित कमेंट के कारण ऑनलाइन ट्रोलिंग में फंस गई हैं।

सोहा अली खान के पॉडकास्ट 'ऑल अबाउट हर' में जर्नलिस्ट आरती कुमार के साथ दीया मिर्जा ने शिरकत की। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि पुरुष और पितृसत्तात्मक सोच ही जलवायु परिवर्तन का कारण है। जहां दीया मिर्जा ने ये बात यूं ही बोली होगी, वहीं अब ट्विटर और Reddit जैसे प्लेटफॉर्म पर आलोचकों की एक बड़ी लहर ने एक्ट्रेस की कड़ी आलोचना की है और उनके एलीट सेलिब्रिटी लाइफस्टाइल के पाखंड पर भी सवाल उठाए हैं। दीया ने कहा कि इंसान जिस तरह से प्रकृति का शोषण करते हैं, वह ऐसी सोच से आता है जिसमें दबदबा बनाने और आक्रामक विकास को अहमियत दी जाती है।

कुमार-राव ने आगे कहा कि पितृसत्ता सिर्फ पुरुषों के बारे में नहीं है और नारीवाद सिर्फ महिलाओं के बारे में नहीं है।

● दीया मिर्जा को क्लाइमेट पर ज्ञान पड़ा भारी

सोहा अली खान के पॉडकास्ट पर, दीया मिर्जा ने क्लाइमेट चेंज, पर्यावरण के नुकसान और इंसानों का कुदरत से जुड़ाव जैसे विषयों पर बातचीत की। अपनी बात साफ करते हुए दीया मिर्जा ने कहा, 'पितृसत्ता ही क्लाइमेट चेंज की वजह है। इस दुनिया में पुरुषों ने ही...'सोहा ने बीच में टोकते हुए कहा, 'आपने पुरुष अहंकार की बात की थी। हां, पुरुषों ने ही क्लाइमेट चेंज को बढ़ावा दिया है और आज हमारी दुनिया में जो उथल-पुथल मची है और लोग हर जगह जो मुसीबतें झेल रहे हैं,

सिंहस्थः 2028 को प्रदेशवासी मिलकर बनाएंगे भव्य और दिव्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

– सिंहस्थ में श्रद्धालुओं को पुण्य स्नान के लिये उपलब्ध करायेंगे स्वच्छ जलः मुख्यमंत्री

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि उज्जैन के सिंहस्थः 2028 को भव्य और दिव्य बनाने के लिये कोई कमी नहीं रखी जाएगी। प्रदेशवासियों के सहयोग से सिंहस्थ को ऐतिहासिक, अद्वितीय और अविस्मरणीय बनाया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार शाम को उज्जैन में समीक्षा बैठक के बाद प्रेस ब्रीफिंग को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ में श्रद्धालुओं को स्वच्छ जल उपलब्ध कराया जायेगा। उन्होंने इसके लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुए केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल को कान्ह क्लोज डक्ट डायवर्जन परियोजना तथा सिलारखेड़ी-सेवरखेड़ी परियोजना की प्रगति से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने कहा

कि केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में उज्जैन में सिंहस्थ और नगरीय विकास से संबंधित कार्यों की केन्द्रीय स्तर से पहली बार समीक्षा की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के सफलतापूर्वक 12 वर्ष पूर्ण हुए है। विकास के कार्य तेज गति से किए जा रहे है। मध्य प्रदेश भी कदम से कदम मिलाकर चल रहा है।

इससे पहले केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में आगामी सिंहस्थ महापर्व : 2028 के अंतर्गत प्रक्रियाधीन विकास कार्यों की प्रगति और तैयारियों की समीक्षा की गई। उज्जैन कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने पॉवर पॉईंट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से सिंहस्थः 2028 के अंतर्गत प्रगतिरत योजनाओं और विकास कार्यों के बारे में जानकारी दी।

बैठक में बताया गया कि इस बार के सिंहस्थ में लगभग 40 करोंड़ से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। सिंहस्थ अंतर्गत उज्जैन के अलावा अन्य जिलों में 25 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि के विकास कार्य किए जा रहे है। इन कार्यों में सड़कें, सेतु, नवीन घाट निर्माण और शहर के बुनियादी ढ़ाचें के विकास से संबंधित कई महत्वपूर्ण योजनाएं सम्मिलित है। इसके अलावा उज्जैन में सिंहस्थ के दौरान शिप्रा नदी के जल से स्नान हो सके इसके लिए सेवरखेडी-सिलारखेडी परियोजना पर कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा 919 करोड़ रुपए की लागत से कान्ह-क्लोज डक्ट डायवर्सन परियोजना पर कार्य किया जा रहा है ताकि शिप्रा नदी में दूषित जल न मिल सके। इसके अलावा 778 करोड़ रुपए की लागत से 29 कि.मी. से अधिक नवीन घाटों का निर्माण किया जा रहा है और 120 करोड रुपए की लागत से मौजूदा स्थायी घाटों का उन्नयन कार्य भी किया जा रहा है। इससे 04 करोड़ से अधिक श्रद्धालु 24 घंटे में स्नान कर सकेंगे। अन्य निर्माण कार्यों की भी जानकारी दी गई।

केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल बोले- इंदौर का स्वच्छता मॉडल देशभर में करेंगे लागू

उज्जैन : केंद्रीय शहरी विकास एवं आवास मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने इंदौर के स्वच्छता मॉडल को देश भर लागू करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त 2026 से पहले देश भर में 20 करोड़ नए स्मार्ट मीटर लगेंगे। मध्य प्रदेश में एक करोड़ नए स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे, सरकारी विभागो में प्रीपेड़ मीटर लगाए जाएंगे, बाद में बड़े उपभोक्ता के यहाँ भी लगेंगे। केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल शुक्रवार देर शाम उज्जैन में राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ऊर्जा व शहरी विकास इन दोनों के मध्य प्रदेश में हो रहे कामों का रिव्यु लिया है। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ मेले को जीरो वेस्ट बनाने का टारगेट हमने लिया है उसको लेकर चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता में तो मध्य प्रदेश देश में लीडर का काम कर रहा है। खासकर इंदौर कई वर्षों तक नंबर एक रहा है। इंदौर को मॉडल के रूप में देश में लागू करेंगे। स्वच्छता के लिए लगभग 3680 करोड़ की योजना स्वीकृत की गई है, जिसमे भारत सरकार 2036 करोड़ का योगदान दे रहा है। राज्य में 57 लाख मीट्रिक टन कचरा इसकी प्रोसेसिंग हमने शुरू की है जिसमें 48 लाख से अधिक कचरे का प्रबंधन किया जा चुका है। परिणाम स्वरुप 509 एकड़ भूमि हमे मिली है। उसमें से 100 एकड़ पर हम प्लांटेशन करेंगे। एंसी जमीनों को हरा भरा करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि उज्जैन के अंदर दुनिया का सबसे बड़ा मेला सिंहस्थ 2028 होने वाला है और उस मेले की व्यवस्थाओं को लेकर भारत सरकार के मंत्री खुद दिल्ली से ना केवल अपने उच्च अधिकारियों के साथ आये समीक्षा बैठक कर रहे हैं और बैठक के साथ लंबे समय तक मध्य प्रदेश को सिंहस्थ के बाद भी विकास के नए पर्याय बनकर क्या-क्या आवश्यकता है

सीवान पुलिस का बड़ा एक्शनः पांच कुख्यात अपराधियों पर 85 हजार रुपये का इनाम घोषित

एजेंसी

सीवान : जिले में फरार और कुख्यात अपराधियों के खिलाफ सीवान पुलिस ने बड़ा अभियान शुरू किया है। पुलिस अधीक्षक पुरन कुमार झा के निर्देश पर जिले के पांच वांछित और कुख्यात अपराधियों पर कुल 85 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है। पुलिस का कहना है कि इन अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है और आम लोगों से भी सहयोग की अपील की गई है। एसपी पुरन कुमार झा ने बताया कि जिले में अपराध नियंत्रण और फरार अपराधियों की गिरफ्तारी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। इसी क्रम में विभिन्न गंभीर आपराधिक मामलों में फरार चल रहे पांच अपराधियों पर पुरस्कार राशि घोषित की गई है। इन अपराधियों में हत्या, हत्या के प्रयास, फायरिंग, रंगदारी, आर्म्स एक्ट और अन्य संगीन मामलों के आरोपी शामिल हैं। सबसे अधिक 30 हजार रुपये का इनाम सिसवन थाना क्षेत्र के भदौर निवासी प्रिंस भारती पर घोषित किया गया है। वह हत्या, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट सहित कई गंभीर मामलों में वांछित है। पुलिस के अनुसार उसके खिलाफ सिसवन और हुसैनगंज थाने में कई आपराधिक कांड दर्ज हैं। दूसरे स्थान पर सिसवन थाना क्षेत्र के गुदरी हाता निवासी निखिल कुमार यादव पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है। वह जीरादेई थाना कांड संख्या 71/26 में हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट के मामले में फरार चल रहा है। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बरहन गोपाल निवासी सोनू कुमार उर्फ कृष्णा राज पर 15 हजार रुपये का इनाम रखा गया है। उसके खिलाफ हत्या, शराब तस्करी और अन्य गंभीर मामलों के कई कांड दर्ज हैं. पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार वह लगातार कानून से बचता रहा है। असांव थाना क्षेत्र के पचबेनिया निवासी रिंकू पांडेय उर्फ रत्नेश कुमार पांडेय पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है। रिंकू पांडेय हाल ही में रविकांत सिंह को गोली मारने और उसके घर पर दोबारा फायरिंग करने के मामले में वांछित है। उसके खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, चोरी, अवैध हथियार और शराब तस्करी सहित 25 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस पहले ही उसके घर पर इश्तेहार चस्पा कर चुकी है.वहीं मैरवा थाना क्षेत्र के इमनौली निवासी नौलखा यादव उर्फ नौलखवा पर पांच हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है। वह मुफस्सिल थाना क्षेत्र में दर्ज हत्या के मामले में फरार चल रहा है। एसपी पुरन कुमार झा ने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि इन अपराधियों से संबंधित किसी भी प्रकार की सूचना निकटतम थाना अथवा सीवान जिला पुलिस कंट्रोल रूम के नंबर 9031683607 पर उपलब्ध कराई जा सकती है। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

पाटेश्वर धाम को कथित कब्जे से मुक्त कराने आज बालोद में आदिवासियों का प्रदर्शन

एजेंसी

रायपुर : छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में पाटेश्वर धाम को कथित कब्जे से मुक्त कराने की मांग को लेकर आज आदिवासी समाज बड़ा प्रदर्शन करने जा रहा है । जिसे देखते हुए प्रशासन ने जिले की सीमा को सील कर दिया है। आदिवासी संगठनों का आरोप है कि डौंडीलोहारा ब्लॉक के तुएगोंदी-जामड़ी क्षेत्र में आरक्षित वन भूमि पर बिना ग्राम सभा की अनुमति के धार्मिक निर्माण कराए जा रहे हैं। सर्व आदिवासी समाज के अनुसार, लगभग 12 एकड़ वन भूमि पर एक स्वयंभू बाबा द्वारा अतिक्रमण किया गया है, जिससे पारंपरिक देवस्थल नष्ट हो रहे हैं। इससे पहले 1 जून को, 10,000 से अधिक आदिवासियों ने बालोद कलेक्ट्रेट का घेराव किया था, जिसके हिंसक होने पर पुलिस को बैरिकेड्स तोड़ने पड़े थे। तब प्रशासन ने 20 जून तक का समय मांगा था।, जिसके बाद उन्होंने इसी दिन आंदोलन और कार्रवाई की चेतावनी दी थी। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है। तीन हजार से ज्यादा पुलिस बल तैनात किया गया है । प्रदर्शन को देखते हुए जामड़ीपाट सहित संवेदनशील क्षेत्रों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। जिले की सीमाओं को सील कर दिया गया है और आसपास के 20 गांवों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। आदिवासियों की मुख्य मांग पाटेश्वर धाम को कथित अतिक्रमण से मुक्त कराए जाने की है। आदिवासी संगठनों का कहना है कि प्रशासन ने इस मामले में कार्रवाई के लिए 20 जून तक का समय मांगा था, जिसके बाद उन्होंने इसी दिन आंदोलन और एक्शन की चेतावनी दी थी।सर्व आदिवासी समाज के जिलाध्यक्ष तुकाराम कोर्राम ने बताया कि डौंडीलोहारा विकासखंड के ग्राम तुएगोंदी और जामड़ी क्षेत्र में रिजर्व फॉरेस्ट भूमि पर कथित रूप से अवैध कब्जा, निर्माण और खनन किया जा रहा है। उनका आरोप है कि आदिवासी समुदाय के पवित्र देवस्थल पर भी कब्जा कर लिया गया है, जहां सालों से पूजा-अर्चना होती रही है। गांव की भूमि पर विकसित किए जा रहे पाटेश्वर धाम में लगातार निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं, जिससे

राजस्थान में प्री-मानसून सक्रिय, 12 जिलों में आंधी-बारिश का ऑरेंज अलर्ट

एजेंसी

जयपुर : राजस्थान में प्री-मानसून की गतिविधियां लगातार सक्रिय हैं। मौसम विभाग ने शनिवार को भी प्रदेश के 12 जिलों में तेज आंधी और बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। शुक्रवार को कोटा, उदयपुर और अजमेर संभाग के कई इलाकों में अच्छी बारिश हुई, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली। पिछले 24 घंटों के दौरान बूंदी, राजसमंद, अजमेर और कोटा सहित कई जिलों में एक इंच तक बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार प्री-मानसून का यह दौर 23 जून तक जारी रहने की संभावना है। शुक्रवार को दिन के समय प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम साफ रहा, लेकिन दोपहर बाद कई जिलों में बादल छाने के साथ हल्की से मध्यम बारिश हुई। उदयपुर में शाम को तेज हवाओं के साथ बारिश हुई, जिससे मौसम सुहावना हो गया। पिछले 24 घंटों में बूंदी जिले के रायथल में सर्वाधिक 33 मिमी बारिश हुई। इसके अलावा हिंडौली में 18 मिमी, बूंदी शहर में 15 मिमी, राजसमंद के कुंभलगढ़ में 12 मिमी, सरदारगढ़ में 25 मिमी, रेलमगरा में 16 मिमी तथा अजमेर के सावर में 18 मिमी वर्षा हुई। बारां, झालावाड़, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ और उदयपुर जिलों के कई क्षेत्रों में भी हल्की बारिश और बूंदाबांदी हुई। बारिश के बीच प्रदेश के कुछ हिस्सों में गर्मी और उमस भी बनी रही। शुक्रवार को अलवर राज्य का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 40.2 डिग्री सेल्सियस मापा गया। अलवर, दौसा, भरतपुर, सीकर, झुंझुनूं, श्रीगंगानगर और नागौर सहित कई जिलों में दिनभर मौसम साफ रहने से लोगों को उमस और गर्मी का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग का अनुमान है कि आगामी दिनों में प्रदेश के कई हिस्सों में तेज आंधी, मेघगर्जन और बारिश की गतिविधियों में और तेजी आ सकती है, जिससे तापमान में गिरावट और लोगों को गर्मी से राहत मिलने की संभावना है।

राष्ट्रपति को मुख्यमंत्री ने दी जन्मदिवस की शुभकामनाएं

एजेंसी

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के अपने आधिकारिक हैंडल से एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा है कि देश के प्रथम नागरिक के रूप में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का जीवन कठिन परिश्रम और लगन का अनोखा उदाहरण है। सरलता, सम्मानजनक नेतृत्व, सामाजिक न्याय के प्रति अडिग प्रतिबद्धता और समाज के वंचित-उपेक्षित वर्गों के कल्याण के लिए उनका दिल से किया गया प्रयास करोड़ों भारतीयों को प्रेरित करता आया है। उनकी दूरदर्शी मार्गदर्शन और आशीर्वाद से हमारा देश और अधिक प्रगति, समृद्धि और गौरव के शिखर पर पहुंचे। मां कामाख्या और महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव गुरुजनों के चरणों में उनके लंबे, स्वस्थ और मंगलमय जीवन के लिए प्रार्थना करता हूं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के झांसी दौरे का मिनट टू मिनट कार्यक्रम

-विकास कार्यों व योग दिवस कार्यक्रम में होंगे शामिल

एजेंसी

झांसी : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का 20 और 21 जून को झांसी दौरा प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री अपने दो दिवसीय प्रवास के दौरान विकास कार्यों की समीक्षा, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि कार्यक्रम, कानून-व्यवस्था की बैठक तथा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य आयोजन में सहभागिता करेंगे। जारी प्रोटोकॉल में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री, आज (20 जून) को अपराह्न 2 बजकर 30 मिनट पर ललितपुर से हेलीकॉप्टर द्वारा झांसी पुलिस लाइन पहुंचेंगे। इसके बाद कार से 2 बजकर 35 मिनट पर दीनदयाल उपाध्याय सभागार में आयोजित विकसित भारत संकल्प कार्यक्रम में शामिल होंगे। यहां वह लगभग एक घंटे तक उपस्थित रहेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री 3 बजकर 40 मिनट पर मंडलायुक्त सभागार पहुंचकर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि वितरण कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। यह कार्यक्रम शाम 4 बजकर 30 मिनट तक चलेगा। इसके उपरांत मुख्यमंत्री झांसी मंडल के जनपदों में लोक निर्माण विभाग के पुराने कार्यों की समीक्षा तथा नए विकास कार्यों की कार्ययोजना पर अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। यह समीक्षा बैठक शाम 4 बजकर 30 मिनट से 5 बजकर 30 मिनट तक प्रस्तावित है। शाम 5 बजकर 45 मिनट से 6 बजकर 30 मिनट तक मुख्यमंत्री जनपद के विकास कार्यों एवं कानून-व्यवस्था की समीक्षा करेंगे। बैठक के बाद वह मंडलायुक्त सभागार से सर्किट हाउस के लिए रवाना होंगे। सायं 6 बजकर 35 मिनट पर सर्किट हाउस पहुंचकर नवीन भवन का लोकार्पण करेंगे। इसके बाद उनका समय रात्रि विश्राम के लिए आरक्षित रहेगा। 21 जून को मुख्यमंत्री प्रातः 5 बजकर 45 मिनट पर सर्किट हाउस से झांसी किला प्रांगण के लिए प्रस्थान करेंगे, जहां वह सुबह 6 बजे से 8 बजे तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगे। योग कार्यक्रम के बाद वह सर्किट हाउस लौटेंगे और जलपान करेंगे। इसके पश्चात सुबह 9 बजकर 45 मिनट पर सर्किट हाउस से पुलिस लाइन हेलीपैड के लिए रवाना होंगे तथा सुबह 10 बजे हेलीकॉप्टर द्वारा महोबा के लिए प्रस्थान करेंगे। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। विभिन्न कार्यक्रम स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। साथ ही महानगर की यातायात व्यवस्था में रूट डायवर्जन भी लागू किया गया है।

न्यूज IN ब्रीफ

डंपर की टक्कर से किसान की मौत

प्रयागराज : उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित मेजा थाना क्षेत्र में रामपुर गांव पास शनिवार भोर में डंपर की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार किसान की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। पुलिस उपायुक्त यमुनानगर विवेक चन्द्र यादव ने बताया कि हादसे में मेजा थाना क्षेत्र के रामपुर गांव निवासी तेज बहादुर (58) की मौत हुई है। घटना के संबंध जानकारी देते हुए परिवार के लोगों ने बताया कि वह खेती करके दो बेटों और दो बेटियां सहित पूरे परिवार का भरण-पोषण करता था। शनिवार भोर में वह घर से सिरसा सब्जी मंडी जाने के लिए घर से निकला। रास्ते में एक बेकाबू डंपर ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में तेज बहादुर की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की।

राज्य मंत्री ने सड़क निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

वाराणसी : जिले में सुसुवाही स्थित विवेकानंद नगर कॉलोनी में शनिवार को राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा ने त्वरित आर्थिक विकास योजना वर्ष 2025-26 के अंतर्गत स्वीकृत सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। रोहनिया विधानसभा के अंतर्गत आने वाले कर्दमेश्वर मण्डल की विवेकानंद कॉलोनी में शिलान्यास के अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।
राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में इस योजना के तहत विवेकानंद नगर कॉलोनी में लगभग 5.31 लाख की लागत से 101.7 मीटर सड़क का निर्माण कराया जाएगा। जिससे क्षेत्रवासियों को बेहतर आवागमन सुविधा प्राप्त होगी तथा क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। राज्य मंत्री हंसराज ने आगे कहा कि वाराणसी के कोने-कोने में विकास कार्य हो रहा है।
प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र में विकास कार्य में कोई बाधा नहीं है। यहां की जनता की मांग पर विकास कार्यों को तेजी से कराया जा रहा है। शिलान्यास होने के कुछ ही समय के भीतर लोकार्पण भी हो रहा है।

योग दिवस पर मुख्यमंत्री का स्वस्थ जीवन का संदेश, मुख्यमंत्री निवास पर किया योगाभ्यास

जयपुर : अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। इस दौरान महिला पुलिस एवं कालिक पेट्रोलिंग यूनिट की कार्मिकों ने भी योगाभ्यास में भाग लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ शरीर, शांत मन और संतुलित जीवन का आधार है। नियमित योगाभ्यास से व्यक्ति शारीरिक रूप से सुदृढ़, मानसिक रूप से सकारात्मक तथा आत्मिक रूप से ऊजार्वान बनता है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रदेशभर में जिला, ब्लॉक, ग्राम पंचायत, शैक्षणिक संस्थानों एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में आयोजित योग कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं और स्वस्थ जीवन की दिशा में कदम बढ़ाएं।

राजस्थान में 178 आरएएस अफसरों के तबादले

जयपुर : राज्य सरकार ने शुक्रवार देर रात बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 178 राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) अधिकारियों के तबादले कर दिए। इस व्यापक बदलाव में सचिवालय से लेकर फील्ड स्तर तक एडीएम, एसडीओ, रजिस्ट्रार और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के पदस्थापन में बदलाव किया गया है। इसके अलावा तीन मंत्रियों के विशिष्ट सहायक भी बदले गए हैं। 12 एपीओ अधिकारियों को नई पोस्टिंग दी गई, जबकि पांच अधिकारियों के पूर्व तबादला आदेश निरस्त कर दिए गए। आदेश के अनुसार राजस्थान बीज निगम में हाल ही में सामने आए कथित घूसकांड के बीच निगम की प्रबंध निदेशक (एमडी) विनीता सिंह का तबादला कर उन्हें राजस्थान ग्रामीण आजीविका परिषद (आरजीएवीपी) का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया गया है। उनकी जगह बीज निगम के कार्यकारी निदेशक गौरव चतुर्वेदी को नया एमडी बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि विनीता सिंह को 13 मई को ही बीज निगम का एमडी नियुक्त किया गया था। हाईवे घूसकांड मामले में निलंबित रही चर्चित आरएएस अधिकारी पिंकी मीणा को करीब साढ़े पांच साल बाद पोस्टिंग मिली है। हाल ही में कोर्ट के आदेशों के बाद बहाल की गई पिंकी मीणा को सहायक निदेशक लोक सेवा एवं प्रशासनिक सुधार समन्वय विभाग सवाई माधोपुर के पद पर नियुक्त किया गया है। चर्चित आरएएस अधिकारी डॉ. विभू कौशिक को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर का विशिष्ट सहायक नियुक्त किया गया है। वे इससे पहले राज्य बीमा एवं प्रावधान निधि विभाग में अतिरिक्त निदेशक के पद पर कार्यरत थे। सरकार ने स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर, पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत और पंचायती राज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी के विशिष्ट सहायकों में भी बदलाव किया है। बलवंत सिंह लिग्गी को स्वास्थ्य मंत्री के एसए पद से हटाकर राजस्थान स्टेट बेवरेज कॉरपोरेशन का कार्यकारी निदेशक बनाया गया है। चंदन दुबे को पशुपालन मंत्री के एसए पद से राज्यपाल सचिवालय में उप सचिव नियुक्त किया गया है। राज्यपाल सचिवालय के उप सचिव मुकेश कुमार कलाल को पंचायती राज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी का नया एसए बनाया गया है। सरकार ने 13 मई को किए गए चार अधिकारियों के तबादले भी सवा महीने बाद निरस्त कर दिए। इनमें नरेंद्र कुमार वर्मा, प्रवीण कुमार अग्रवाल, पुष्कर मित्तल और अरशदीप बरार शामिल हैं। वहीं, मोहम्मद ताहिर का 15 सितंबर 2025 को किया गया तबादला करीब नौ महीने बाद निरस्त किया गया है। इस प्रशासनिक फेरबदल में कई एडीएम, एसडीओ, जिला परिषद सीईओ, संयुक्त सचिव, उप सचिव, रजिस्ट्रार और अन्य महत्वपूर्ण पदों पर भी नए अधिकारियों की नियुक्तियां की गई हैं।

मुख्यमंत्री साय की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक 23 जून को

रायपुर : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में 23 जून को सुबह 11:30 बजे राज्य मंत्रिपरिषद (कैबिनेट) की बैठक आयोजित की जाएगी। यह अहम बैठक नवा रायपुर अटल नगर स्थित मंत्रालय (महानदी भवन) में संपन्न होगी। इस बैठक को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां काफी तेज कर दी गई हैं। बैठक में मानसून की देरी को देखते हुए खरीफ सीजन की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। धान समेत अन्य फसलों की बुआई की स्थिति, किसानों के लिए खाद-बीज की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था पर विशेष चर्चा होने की संभावना है। इसके अलावा 13 जुलाई से शुरू होने वाले विधानसभा के मानसून सत्र की तैयारियों पर भी मंत्रिमंडल मंथन करेगा। बैठक में अनुकंपा नियुक्ति से जुड़े प्रस्तावों और संशोधित नियमों को मंजूरी मिल सकती है। वहीं शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों के थोक तबादलों के लिए नई स्थानांतरण नीति पर भी कैबिनेट की मुहर लगने की संभावना जताई जा रही है।

जमीनी विवाद में भतीजे ने चाचा को मारी गोली

संवाददाता

पलामू : मेदिनीनगर शहर के पांकी रोड में आज सुबह जमीनी विवाद को लेकर एक खौफनाक वारदात सामने आई है. लंबे समय से चल रहे पारिवारिक जमीनी विवाद में एक भतीजे ने अपने ही सगे चाचा पर गोली चला दी. घटना के वक्त संजय तिवारी मंदिर में पूजा अर्चना कर बाहर निकल रहे थे. गोलीबारी की इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है. आनन-फानन में घायल को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है.

घात लगाए भतीजे ने चलाई गोली

प्राप्त जानकारी के अनुसार, घायल व्यक्ति की पहचान संजय तिवारी के रूप में हुई है. रोजाना की तरह संजय तिवारी सुबह अपने घर से पूजा करने के लिए निकले थे. जीएलए कॉलेज के पास स्थित मंदिर में पूजा करने के बाद वे जैसे ही परिसर से बाहर कदम रखे, पहले से घात लगाए बैठे उनके सगे भतीजे जिनका नाम प्रीतम तिवारी बतया जा रहा हैं उसी ने संजय तिवारी पर गोली चला दी. गोली लगने के तुरंत बाद संजय तिवारी लहूलुहान होकर

वहीं गिर पड़े, जबकि आरोपी वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गया.

आज ही थी कोर्ट में तारीख, पिता ने बयां किया दर्द

घायल संजय तिवारी के पिता ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि दोनों परिवारों के बीच जमीन को लेकर पुराना विवाद चल रहा है. गोतिया परिवार के साथ इस जमीनी रंजिश का मामला अदालत में भी विचाराधीन है. इत्तेफाक से आज ही के दिन इस मामले की कोर्ट में तारीख भी तय थी. पीड़ित परिवार का आरोप है कि इसी रंजिश के तहत साजिश रचकर इस जानलेवा हमले को अंजाम दिया गया है.

घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से घायल संजय तिवारी को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों की टीम उनकी स्थिति पर नजर बनाए हुए है. इधर, घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच चुकी है. पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना करने के साथ ही अस्पताल जाकर परिजनों से पूछताछ के आगे की करवाई करेगी.

न्यूज IN ब्रीफ

महाराजा अर्जुन सिंह की नई प्रतिमा स्थापित करने की मांग

चक्रधरपुर : सिंहभूम क्षेत्रीय महासभा के प्रतिनिधिमंडल ने चक्रधरपुर नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव को ज्ञापन सौंपकर शहीद क्रांतिकारी महाराजा अर्जुन सिंह बाल उद्यान में स्थापित महाराजा अर्जुन सिंह की क्षतिग्रस्त प्रतिमा के स्थान पर नई प्रतिमा स्थापित करने की मांग की।

सिंहभूम क्षेत्रीय महासभा ने नगर परिषद अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

महासभा के केंद्रीय अध्यक्ष हेमंत सिंहदेव एवं महासचिव राहुल आदित्य के हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन में कहा गया है कि वर्ष 1857 की क्रांति के महानायक महाराजा अर्जुन सिंह का इतिहास सिंहभूम, पोड़ाहाट, चक्रधरपुर सहित पूरे देश के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज है। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और अंग्रेजी शासन के खिलाफ संघर्ष का नेतृत्व किया था।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के समीप स्थित शहीद क्रांतिकारी महाराजा अर्जुन सिंह बाल उद्यान में लगी प्रतिमा रखरखाव के अभाव में क्षतिग्रस्त हो चुकी है तथा पूरी तरह हिलने लगी है। इससे श्रद्धांजलि एवं अन्य कार्यक्रमों के दौरान लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। महासभा ने जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए पुरानी प्रतिमा को हटाकर शीघ्र नई एवं भव्य प्रतिमा स्थापित कराने की मांग की है।

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि महाराजा अर्जुन सिंह केवल सिंहभूम ही नहीं, बल्कि पूरे देश के गौरव हैं। उनकी स्मृति और योगदान को सम्मान देने के लिए प्रतिमा का पुनर्स्थापन आवश्यक है। नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव ने ज्ञापन प्राप्त कर मामले पर सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर सिंहभूम क्षेत्रीय महासभा के कई पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

सिकल सेल एनीमिया को लेकर जागरूकता रथ रवाना

धनबाद : सिकल सेल एनीमिया जागरूकता दिवस पर शुक्रवार को सदर अस्पताल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मौके पर टीबी सह मलेरिया पदाधिकारी डॉ रेखा कुमारी ने सिकल सेल एनीमिया के प्रति जन जागरूकता के लिए जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। स्वास्थ्य अधिकारियों व डॉक्टरों ने लोगों से सभी सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध निःशुल्क सिकल सेल जांच सुविधा की जानकारी देते हुए उसका लाभ उठाने की अपील की।

अधिकारियों ने कहा कि सिकल सेल एनीमिया एक अनुवांशिक रोग है, जिसका पता केवल रक्त जांच से लगाया जा सकता है। इसलिए परिवार के 0 से 40 वर्ष तक के सभी सदस्यों को जांच जरूर करानी चाहिए। यदि परिवार के किसी सदस्य में बीमारी पाई जाती है तो अन्य सभी सदस्यों की भी जांच जरूरी है। यह भी कहा कि आपात स्थिति में निःशुल्क एंबुलेंस सेवा के लिए 108 पर व स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के लिए 104 पर कॉल किया जा सकता है। कार्यक्रम में बीमारी के प्रमुख लक्षण जैसे एनीमिया, बार-बार संक्रमण, थकान, बुखार, कमजोरी, जोड़ों में दर्द, छाती में दर्द और सांस फूलने की जानकारी दी गई। साथ ही सिकल सेल पीड़ित बच्चों की देखभाल को लेकर सुझाव दिए गए। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से बीमारी के प्रति सतर्क रहने और समय पर जांच कराने की अपील की। मौके पर कई डॉक्टर, स्वास्थ्यकर्मी व सहिया मौजूद थी।

एनएच पर हादसे-जाम रोकने के लिए बनी हाईवे टास्क फोर्स

धनबाद : नेशनल हाईवे पर अतिक्रमण की वजह से जाम और दुर्घटना को रोकने के लिए जिला प्रशासन ने हाईवे टास्क फोर्स का गठन किया है। टास्क फोर्स हरिहरपुर से मैथन तक एनएच की निगरानी करेगी। यह शनिवार से ही एक्शन में आ जाएगी। टास्क फोर्स के साथ पुलिस की टीम रहेगी, जो राष्ट्रीय राजमार्ग की दिन-रात निगरानी करेगी। एनएच स्थित पेट्रोल पंप, बड़े प्रतिष्ठान, क्लीनिक और होटलों में फर्स्ट एड कॉर्नर बनाया जाएगा। आपके अपने अखबार हिन्दुस्तान ने 18 जून के अंक में नेशनल हाईवे पर लगातार ट्रैफिक जाम की समस्या प्रकाशित की थी। इसपर संज्ञान लेते हुए हाईवे टास्क फोर्स का गठन किया गया। डीसी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया। इस दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग पर बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को रोकने पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

टास्क फोर्स का नेतृत्व जिला परिवहन पदाधिकारी व ट्रैफिक डीएसपी करेंगे। टास्क फोर्स के साथ पुलिस की भी टीम रहेगी। जो केवल एनएच की निगरानी करेगी। टास्क फोर्स के साथ हाइड्रा और क्रेन भी रहेगा, जो एनएच पर जहां-तहां खड़े वाहनों को हटाकर उनपर कार्रवाई करेगा। अवैध कट बंद कराने, बंद स्ट्रीट लाइट दुरुस्त करने और एनएच को पूरी तरह से सुरक्षित बनाया जाएगा। दुर्घटना के दौरान घायलों के तत्काल प्राथमिक इलाज करने के लिए एनएच स्थित क्लीनिक, बड़े प्रतिष्ठान और होटल में फर्स्ट एड कॉर्नर विकसित किया जाएगा।

बिना हेलमेट के तेल देने पर 11 पेट्रोल पंपों को नोटिसः बैठक में डीसी ने निरसा के देवयाना स्थित भारत पेट्रोलियम, इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप, बाबा लोकनाथ सर्विस स्टेशन, आकाश फ्यूल्स, धनसार के कुमार फ्यूल्स, जोड़ाफाटक के मां शक्ति फ्यूल्स, मनईटांड़ के मंगलम फ्यूल्स, पुटकी के चीरुडीह पेट्रोल पंप, बस्ताकोला के गुप्ता एनर्जी, झरिया के रतन जी भगवान जी एंड कंपनी, कुमारधुबी के तालडंगा पेट्रोल पंप सहित 11 पेट्रोल पंपों को नो हेलमेट-नो पेट्रोल के उल्लंघन के लिए नोटिस भेजने का निर्देश दिया।

मार्च माह में हादसे में 39 लोगों ने गंवाई जानः जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि बीते दो माह की सड़क दुर्घटनाओं का विश्लेषण करने पर पाया गया कि ओवर स्पीड और लापरवाही से वाहन चलाना दुर्घटना का मुख्य कारण है। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष-2025-26 में परिवहन कार्यालय ने दो करोड़ 23 लाख 97 हजार 955 रुपए का राजस्व संग्रह किया है। वहीं यातायात विभाग ने पांच करोड़ 58 लाख 79000 रुपए का राजस्व संग्रह किया। इस साल 139 सड़क हादसे में 30 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जबकि 94 हादसे के घातक परिणाम आए हैं, जिनमें ओवर स्पीड के 87, रॉन्ग साइड के नौ, नाबालिग द्वारा वाहन चलाने के नौ, अंधेरे के कारण आठ, ओवरटेकिंग के पांच, ड्रिंक एंड ड्राइव के पांच, मोबाइल इस्तेमाल के एक और 14 हादसे अन्य कारणों से हुए हैं। मार्च माह में 65 सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें 39 लोगों की मौत हुई है। बैठक में एसएसपी प्रभात कुमार, ग्रामीण एसपी एस मोहम्मद याकूब, डीएफओ विकास पालीवाल, जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी, डीएसपी ट्रैफिक रोहित कुमार साव मौजूद थे।

10 साल बाद भी नहीं बना जय प्रकाश डैम, किसानों को इस बार भी नहीं मिलेगा सिंचाई का पानी

वर्ष 2016 में टूटा था डैम,एक दर्जन से अधिक गांवों की हजारों एकड़ कृषि भूमि होती थी सिंचित

प्रवीण सिंह

चतराः जिले के किसानों के लिए जीवनरेखा माने जाने वाले प्रतापपुर प्रखंड के टंडवा में जय प्रकाश डैम की स्थिति आज भी बदहाल बनी हुई है। वर्ष 2016 में भारी बारिश के बाद टूटा यह डैम पिछले 10 वर्षों से मरम्मत की बाट जोह रहा है। डैम के नहीं बनने से इस वर्ष भी किसानों को सिंचाई के लिए पानी मिलने की उम्मीद लगभग खत्म हो गई है। इसका सीधा असर एक दर्जन से अधिक गांवों के हजारों किसानों और उनकी खेती पर पड़ रहा है। जय प्रकाश डैम के माध्यम से आसपास के कई गांवों की हजारों एकड़ कृषि भूमि सिंचित होती थी। डैम में पानी भरने के बाद पैन के माध्यम से खेतों तक पानी पहुंचता था, जिससे धान समेत अन्य फसलों की खेती आसानी से हो जाती थी। लेकिन डैम टूटने के बाद किसानों को बारिश पर निर्भर रहना पड़ रहा है। पर्याप्त वर्षा नहीं होने पर फसल उत्पादन प्रभावित होता है और किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है।वर्ष 2014 में हुई थी मरम्मत, दो साल बाद ही टूट गया डैमः वर्ष 2014 में लाखों रुपये की लागत से डैम की मरम्मत कराई गई थी। हालांकि मरम्मत के महज दो वर्ष बाद वर्ष 2016 में हुई भारी बारिश के दौरान डैम का एक हिस्सा टूट गया। इसके बाद से डैम की स्थिति जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों का आरोप है कि मरम्मत कार्य की गुणवत्ता पर भी सवाल उठे थे, लेकिन इसकी जांच और स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। जनप्रतिनिधियों ने दिए आश्वासन, लेकिन नहीं हुआ कामः जय प्रकाश डैम की मरम्मत को लेकर कई बार जनप्रतिनिधियों ने आश्वासन दिए। पूर्व मंत्री सत्यानन्द भोक्ता ने मंत्री रहते हुए डैम स्थल का निरीक्षण किया था और जल्द मरम्मत कराने का भरोसा दिलाया था। इसके अलावा सांसद कालीचरण सिंह और विधायक जनार्दन पासवान भी डैम निर्माण को लेकर किसानों और ग्रामीणों को आश्वस्त कर चुके हैं। बावजूद इसके आज तक मरम्मत कार्य शुरू नहीं हो सका।

किसानों में बढ़ रहा आक्रोशः डैम की मरम्मत नहीं होने से किसानों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। किसान सुरेंद्र सिंह, कामेश्वर यादव, प्रवेश ठाकुर,रामदेव मिस्त्री समेत कई किसानों ने कहा कि डैम टूटने के बाद फसल काफी प्रभावित हुआ है। बारिश के पानी पर निर्भर रहना पड़ रहा है। किसानों ने कहा कि 10 वर्षों में खेती चौपट हो गया।उन्होंने सरकार और संबंधित विभाग से अविलंब डैम की मरम्मत कर सिंचाई व्यवस्था बहाल करने की मांग की है। इन गांवों के हजारों एकड़ जमीन होता था सिंचितः जयप्रकाश डैम से टंडवा, शंकरपुर, घुज्जी, कल्याणपुर, डुमरी, दानापुर अनन्तपुर, बंडोहरी समेत एक दर्जन से अधिक गांव का जमीन सिंचित हो रहे थे। डैम टूटने के बाद से खेती पर असर पड़ रहा है। पानी का लेयर भी नीचे चला गया है। ऐसे में खेती-बाड़ी के साथ-साथ पीने का पानी की भी लोगों की समस्या बन गई है।

केन्द्रीय विद्यालय चक्रधरपुर की छात्रा अदिति बनी झारखंड अंडर-13 शतरंज चैंपियन

राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित

संवाददाता

सरला बिरला विश्वविद्यालय रांची मे झारखण्ड राज्य शतरंज संघ द्वारा आयोजित 25 वॉ राज्य अंडर 13ओपन गर्ल्स प्रतियोगिता का आयोजन 12 जून से 14 जून तक किया गया जिसमे केन्द्रीय विद्यालय चक्रधरपुर के 7वी की छात्रा अदिति ने 6 चक्र मे 5.5 अंक प्राप्त कर राज्य मे प्रथम स्थान प्राप्त की है।

इस प्रतियोगिता मे उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर अदिति का चयन राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता के लिए कर लिया गया है।

इस सफलता का श्रेय अदिति के गुरु, मार्गदर्शक एवं शुभचिंतक को जाता है विदित हो कि अदिति पश्चिम सिंहभूम जिला के प्रख्यात शिक्षक डॉ. मंगलेश पाठक की पुत्री है और इस उपलब्धि और गौरव पर शिक्षाविद् मित्रगण, परिजन सभी लोग काफी हर्षित हैं। वहीं इस उपलब्धि पर डॉ मंगलेश पाठक भी काफी हर्षित और प्रसन्नचित्त है और बेटी की सफलता पर गौरवान्वित भी और इस गीत को चरितार्थ भी किया

तुझे सूरज कहूँ या चंदा
तुझे दीप कहूँ या तारा
मेरा नाम करेगी रोशन
जग में मेरा राजदुलारी

डीसी के जनता दरबार में पहुंचीं शिकायतें

धनबाद : डीसी आदित्य रंजन ने शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन कर आमजनों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। राजगंज, चिरकुंडा, कतरास, धनबाद, बरवाअड्डा, झरिया, गोविंदपुर, सिजुआ, तोपचांची, सरायढेला, बलियापुर, बाघमारा सहित अन्य क्षेत्रों के लोगों ने अपनी शिकायतें सुनाईं। जनता दरबार में जबरन घर निर्माण, जमीन पर कब्जा करने, जान से मारने की धमकी देने, विस्थापन संबंधी समस्याएं, भू-मापी, प्रधानमंत्री आवास योजना में अनियमितता आदि की सुनवाई हुई।

कलियासोल में कचरा डंपिंग के लिए जमीन अधिग्रहण होगा

धनबाद : सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट योजना के तहत डंपिंग स्टेशन का निर्माण जमीन के अभाव में वर्षों से अटका पड़ा है। इसके लिए नगर निगम ने कई जगहों पर जमीन तलाशी, लेकिन हर जगह विरोध की वजह से योजना शुरू नहीं हो पाई। नगर निगम ने डंपिंग स्टेशन (लैंडफील साइट) बनाने के लिए अब कलियासोल के सीओ को पत्र लिखा था। कलियासोल के सीओ ने जमीन चिह्नित कर पूरी रिपोर्ट धनबाद नगर निगम को भेज दी है। सीओ ने रिपोर्ट में कहा कि प्रखंड के बड़ा अंबोना मौजा में विभिन्न प्लॉटों को चिह्नित कर राजस्व उप निरीक्षक से जांच कराई गई। इस दौरान 40 एकड़ जमीन चिह्नित की गई, जिनमें लगभग पांच एकड़ जमीन अनाबाद बिहार सरकार के खाते की है, बाकी 35 एकड़ जमीन स्थानीय रैयतों की है। नगर निगम अब रैयतों से जमीन का अधिग्रहण कर लैंडफील साइट योजना शुरू करेगा।

बलियापुर के आमझर में बन रहा सॉलिड वेस्ट प्लांटः बलियापुर के आमझर में 16 एकड़ जमीन पर नगर निगम की ओर से सॉलिड वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट का निर्माण किया जा रहा है। प्लांट का निर्माण तो शुरू हो जाएगा, लेकिन शहर से कचरा उठाकर डंप करने के लिए निगम के पास जगह नहीं थी। अब नगर निगम ने कलियासोल में जमीन चिह्नित की है। अब जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू होगी।

डीएमएफटी की बैठक में खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास पर जोर

लंबित योजनाओं की हुई समीक्षा

खूंटीः समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त मो जावेद हुसैन की अध्यक्षता में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) न्यास परिषद एवं प्रबंधकीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूर्व में स्वीकृत योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई तथा नई विकास योजनाओं के चयन एवं क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने डीएमएफटी के तहत अपूर्ण एवं लंबित योजनाओं की स्थिति की गहन समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों से विलंब के कारणों की जानकारी ली और कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए योजनाओं का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना (पीएमकेकेवाई) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप खनन क्षेत्रों से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित 25 किलोमीटर की परिधि में आने वाले क्षेत्रों को प्राथमिकता देने पर विचार-विमर्श किया गया। समिति ने स्वास्थ्य, शिक्षा, आंगनबाड़ी केंद्रों के सुदृढ़ीकरण, जीविकोपार्जन, पेयजल, शौचालय, कौशल विकास एवं कृषि से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता देने पर सहमति जताई। उपायुक्त मो० जावेद हुसैन ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों से क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुसार शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल आपूर्ति, स्किल डेवलपमेंट एवं कृषि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में योजनाओं की अनुशंसा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि डीएमएफटी मद से प्राप्त निधि का उपयोग जनहितकारी एवं प्रभावी योजनाओं में किया जाए, ताकि खनन प्रभावित क्षेत्रों का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके और स्थानीय लोगों को सीधा लाभ मिल सके। बैठक में सांसद एवं विधायक प्रतिनिधियों के साथ उप विकास आयुक्त प्रवीण कुमार प्रकाश, जिला खनन पदाधिकारी, डीएसपी मुख्यालय, जिला शिक्षा पदाधिकारी, नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी, जिला उद्यान पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं समिति सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में विकास कार्यों को गति देने तथा खनन प्रभावित क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया गया।

झारखंड विधानसभा की प्रत्यायुक्त विधान समिति ने की विभिन्न विभागों की समीक्षा

सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रभावी अनुपालन पर दिया जोर

संवाददाता

चतरा : झारखंड विधानसभा की प्रत्यायुक्त विधान समिति के सभापति सरयू राय के नेतृत्व में समिति द्वारा चतरा जिले के अध्ययन भ्रमण के क्रम में शुक्रवार को परिसदन भवन सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं, अधिनियमों एवं नियमों के अनुपालन की अद्यतन स्थिति पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक से पूर्व चतरा परिसदन पहुंचने पर उपायुक्त रवि आनंद द्वारा सभापति सरयू राय का स्वागत पौधा भेंट कर किया गया। समीक्षा के दौरान समिति ने सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के प्रावधानों के अनुपालन एवं प्रचार-प्रसार, नगर पालिका अधिनियम के अनुपालन की स्थिति, पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण संबंधी कार्यों, खनन विभाग से संबंधित प्रावधानों विधान के प्रावधानों के प्रचार-प्रसार तथा झारखंड सेवा की गारंटी अधिनियम, 2011 के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा की। इसके अतिरिक्त लोक

अभियोजकों एवं सहायक लोक अभियोजकों को राज्य सरकार द्वारा निर्गत दिशा-निदेर्शों के अनुपालन सहित विभिन्न विभागों द्वारा बनाए गए नियमों एवं अधिसूचनाओं के क्रियान्वयन पर भी चर्चा की गई। बैठक में सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के क्रियान्वयन पर विशेष रूप से चर्चा करते हुए समिति ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान प्राप्त आरटीआई आवेदनों, उनके निष्पादन, लंबित मामलों तथा अपीलों की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की। सभापति ने अधिकारियों को अधिनियम के प्रावधानों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर मामलों का निष्पादन करने का निर्देश दिया। साथ ही सभी सरकारी कार्यालयों के बाहर सूचना का अधिकार अधिनियम तथा सेवा की गारंटी अधिनियम आदि से संबंधित सूचना पट्ट (नोटिस बोर्ड) प्रदर्शित करने का भी निर्देश दिया गया।समिति ने उप विकास आयुक्त एवं विभिन्न विभागों के जिला एवं क्षेत्रीय स्तर के पदाधिकारियों के साथ विभागवार समीक्षा करते हुए कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, ग्रामीण कार्य विभाग, जिला आपूर्ति विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, विद्युत विभाग, उद्योग विभाग, कल्याण विभाग समेत अन्य विभागों के अंतर्गत संचालित योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की गई। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की समीक्षा के दौरान जिले में पेयजल आपूर्ति की वर्तमान स्थिति तथा जल जीवन मिशन के तहत संचालित नल-जल योजनाओं की प्रगति की जानकारी प्राप्त की गई। सभापति ने योजनाओं को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने पर बल दिया।आपूर्ति विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने निर्देश दिया कि सभी पात्र राशन कार्डधारियों को सही वजन एवं निर्धारित समय पर राशन उपलब्ध कराया जाए तथा इसकी नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। वहीं सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं की समीक्षा करते हुए सर्वजन पेंशन योजना यथा विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन एवं दिव्यांगजन पेंशन के भुगतान की स्थिति की जानकारी ली गई।अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि कुछ योजनाओं में मार्च माह तक की राशि लाभुकों के खातों में हस्तांतरित की जा चुकी है, जबकि कुछ योजनाओं में आवंटन उपलब्ध नहीं होने के कारण भुगतान लंबित है।बैठक के दौरान जिले में संचालित ईंट भट्टों के संचालन एवं पर्यावरणीय मानकों के अनुपालन की भी समीक्षा की गई। सभापति ने विशेष रूप से ईंट भट्टा से संबंधित पर्यावरणीय स्वीकृति (एनवायरमेंटल क्लियरेंस) की जानकारी प्राप्त करते हुए पर्यावरण संरक्षण संबंधी प्रावधानों के अक्षरशः अनुपालन पर बल दिया।सभापति ने कहा कि जनहित से जुड़े मामलों के निष्पादन में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं समयबद्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिया कि आम नागरिकों को सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ निर्धारित समय-सीमा के भीतर उपलब्ध कराया जाए तथा सेवा वितरण प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाया जाए।बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी (उत्तरी) राहुल मीणा, उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी माहेश्वरी प्रसाद, जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश कुमार मिश्रा, जिला आपूर्ति पदाधिकारी नीतू सिंह, कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल मनोज मुंडारी सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।